शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 236 | गुवाहाटी | शनिवार, 29 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पाकिस्तान की मानसिकता नहीं बदल सकते इंदिरा भी ऐसा नहीं कर पाई : जयशंकर — पेज 2
भूपेन बोरा को पूर्णकालिक योतिषी बन जाना चाहिए : भाजपा — पेज 3
सेना के मुद्दों का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा : मुख्य सचिव सुधांशु — पेज 5
मुंबई सिटी के कोच पैट्र क्राटकी ने प्लेऑफ मुकाबले से पहले टीम को दिया जीत का मंत्र — पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

थाईलैंड और म्यांमार में भूकंप इमारतें ढहीं, दस की मौत, 67 लापता

बैंकॉक आपदा क्षेत्र घोषित, भारतीय दूतावास ने जारी किया इमरजेंसी नंबर

बैंकॉक (थाईलैंड)/ नाएप्यीडॉ (म्यांमार) (हि.स.)। थाईलैंड और म्यांमार में आज दोपहर आए शक्तिशाली भूकंप से भारी अनिष्ट होने की आशंका है। एक बहुमंजिला इमारत समेत तमाम आवासीय भवन रेत के महल की तरह भरभरा गए हैं। अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। 67 लोग लापता बताए गए हैं। भूकंप का असर भारत तक दिखा है। नई दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कई शहरों में लोगों ने कंपन महसूस किया। थाईलैंड में सेना को राहत और बचाव अभियान शुरू किया है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा अपनी फूकेत की यात्रा अधूरी छोड़कर बैंकॉक लौट रहे हैं। बैंकॉक के अखबार द नेशन की खबर के अनुसार, अधिकारियों का कहना है कि भूकंप के बाद देश में परिवहन सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है। थाई मौसम विज्ञान विभाग ने पुष्टि की कि शुक्रवार दोपहर म्यांमार में 8.2 तीव्रता का भूकंप आया। यह माई होंग सोन प्रांत में पैंग मा फा से लगभग 392 किलोमीटर दूर था। बैंकॉक के बैंग सू क्षेत्र में निर्माणाधीन स्टेट ऑडिट ऑफिस की इमारत ढहने के बाद 67 लोग लापता हैं। सात लोगों को बचा लिया गया है। भूकंप ने बैंकॉक में परिवहन सेवाओं को बाधित कर दिया। बैंकॉक मास ट्रांजिट सिस्टम ने सुखुमविट -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में भी लगे भूकंप के झटके, कोलकाता मेघालय और इंफाल में कांपी धरती

कोलकाता। म्यांमार और थाईलैंड भूकंप के तेज झटकों से दहल उठा है। पहला झटका 11:50 पर 7.2 का रहा, दूसरा भूकंप 12 बजे आया, जिसकी तीव्रता 7.7 रही। थाईलैंड में आपातकाल लगा दिया गया है। वहीं अब मणिपुर केंद्र के -शेष पृष्ठ दो पर

भारत हर संभव मदद देने के लिए तैयार : पीएम मोदी

नई दिल्ली। म्यांमार और थाईलैंड में आज भूकंप ने जबरदस्त तबाही मचाई है। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.7 मापी गई। भूकंप की वजह से दोनों देशों में जबरदस्त नुकसान पहुंचने की आशंका है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें देखा जा सकता है कि कई बहुमंजिला इमारत जमींदोज हो गए। वहीं, कई लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है। इसके अलावा, सैंकड़ों लोग लापता बताए जा रहे हैं। इसी बीच देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूकंप की वजह से दोनों देशों की हुए जान-माल के नुकसान पर चिंता जताई। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप के बाद की स्थिति से चिंतित हूं। सभी की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं। भारत हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। इस संबंध में, हमने अपने अधिकारियों को तैयार रहने को कहा है। साथ ही विदेश मंत्रालय से म्यांमार और थाईलैंड की सरकारों के साथ संपर्क में रहने को कहा है।

असम-मेघालय सीमा विवाद सुलझाने को इच्छुक : हिमंत

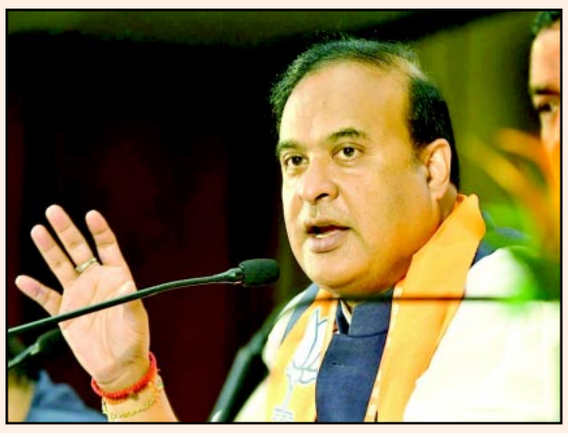

गुवाहाटी। असम और मेघालय अपने लंबे समय से लंबित सीमा विवादों को सुलझाने के इच्छुक हैं और जल्द या बाद में समाधान की उम्मीद है, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा। मेघालय के उमियाम में उत्तर पूर्व पुलिस अकादमी (नेपा) में 70 पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) परिवीक्षार्थियों के दीक्षांत समारोह के मौके पर बोलते हुए शर्मा ने कहा कि छह मुद्दे अनसुलझे हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से तीन का कभी भी निपटारा किया जा सकता है, लेकिन मेघालय चाहता है कि सभी छह एक साथ हल किए जाएं। शर्मा ने कहा कि हम इन मुद्दों पर काम कर रहे हैं और सभी छह विवादों को हल करने की उम्मीद करते हैं। चूंकि इसमें असम और मेघालय दोनों के लोगों की भावनाएं शामिल हैं, इसलिए निश्चित समय सीमा निर्धारित करना उचित नहीं हो सकता है। हालांकि, हमें जल्द समाधान की उम्मीद और प्रार्थना करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सर्वे ऑफ इंडिया वर्तमान में सीमांकन प्रक्रिया का संचालन कर रहा है, जो अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। शर्मा ने दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में दोनों राज्यों द्वारा हस्ताक्षरित समझौता दोनों पक्षों के लिए बाध्यकारी है। असम और मेघालय के बीच 884.9 किलोमीटर लंबी अंतर्राज्यीय सीमा पर 12 क्षेत्रों में लंबे समय से विवाद चल रहा है। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दुनिया का बस यही उसूल है कि, जब तक काम है तब तक ही नाम है, बाकी दूर से ही सलाम है।

– अज्ञात

न्यूज गैलरी

मोदी सरकार ने दो फीसदी बढ़ाया महंगाई भत्ता

नई दिल्ली। केंद्रीय कर्मचारियों का इंतजार अब खत्म हो गया है। काफी समय से ये सुर्खियों थी सरकार केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ता को लेकर फैसला ले सकती है। केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाला महंगाई भत्ता अब 55 फीसदी हो चुका है। इससे पहले सभी कर्मचारियों को 53 फीसदी तक -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में चार उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार भी बरामद

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर बताया कि सुरक्षाबलों ने अलग-अलग ऑपरेशंस में चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। ये उग्रवादी विभिन्न उग्रवादी संगठनों से जुड़े हैं। पुलिस ने बताया कि ये गिरफ्तारियां बिष्णुपुर, इंफाल ईस्ट और थाउबल जिलों से गुरुवार को हुईं। गिरफ्तार किया गया एक उग्रवादी कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी का सदस्य बताया -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार यूट्यूब और डिजिटल *पत्रकारों* को मान्यता नहीं देती : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार वेब पोर्टल या यूट्यूब चैनलों के लिए काम करने वाले पत्रकारों को मीडिया पेशेवर नहीं मानती है। यह टिप्पणी गुरुवार 27 मार्च को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान आई। हाल ही में गिरफ्तार किए गए और जमानत पर रिहा किए गए पत्रकार दिलवर हुसैन मोजुमदार के संबंध में चिंताओं का समाधान करते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार केवल प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को ही वैध पत्रकार के रूप में मान्यता देती है। उन्होंने कहा कि सरकार दिलवर हुसैन को पत्रकार नहीं मानती है। असम में केवल लीगेसी मीडिया- प्रिंट और टेलीविजन- को ही आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई है। शर्मा ने विस्तार से बताया कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने कभी भी किसी पोर्टल मीडिया कर्मी को पत्रकार का दर्जा नहीं दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम उन्हें पंजीकरण, विज्ञापन या पहचान पत्र नहीं देते हैं। अभी तक वे पत्रकारों -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल में राजशाही को लेकर बवाल, कई इलाकों में कर्फ्यू, सड़कों पर सेना तैनात

काठमांडू। नेपाल के काठमांडू में शुक्रवार को राजशाही समर्थकों ने एक घर में आग लगा दी। उन्होंने सुरक्षा बैरिकेड तोड़ने की कोशिश भी की, जिसके बाद नेपाल पुलिस ने समर्थकों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछारों का भी इस्तेमाल किया। इस बीच, सीपीएन-माओवादी केंद्र के नेता पुष्पकमल दहल *प्रचंड* ने राजतंत्रवादी ताकतों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि वे नेपाली लोगों और राजनीतिक दलों के उदारवादी रवैये को कमजोरी न समझें। उन्होंने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह को भी सलाह दी कि वे अपनी पिछली गलतियों को न दोहराएं। शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान तिनकुने इलाके में स्थिति तब बेकाबू हो गई, जब प्रदर्शनकारियों ने एक घर में आग लगा दी और सुरक्षा बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारी नेपाल के राष्ट्रीय ध्वज और पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की तस्वीरें हाथों में लिए हुए थे। उन्होंने भ्रष्ट सरकार मुर्दाबाद और हमें राजशाही वापस चाहिए जैसे नारे लगाए और पुलिस से भिड़ गए, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हवाई फायरिंग की। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, झड़प में एक व्यक्ति घायल हो गया। काठमांडू में राजशाही समर्थकों और विरोधियों द्वारा -शेष पृष्ठ दो पर

असम राष्ट्रीय राजमार्ग विकास में सर्वाधिक निवेश के साथ पूर्वोत्तर में अग्रणी

गुवाहाटी। असम पूर्वोत्तर राज्यों में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) विकास में अग्रणी बनकर उभरा है, जहां सबसे अधिक परियोजनाएं चल रही हैं और सबसे लंबा सड़क नेटवर्क निर्माणाधीन है। 39,239 करोड़ रुपए के कुल निवेश के साथ, यह पहल क्षेत्र में सबसे बड़ा बुनियादी ढांचा विकास प्रयास है। उल्लेखनीय है कि असम में जो परियोजनाएं हैं, उनमें 2024-25 तक पूरी हो जाने वाली परियोजनाएं तथा स्वीकृत लेकिन अभी शुरू नहीं होने वाली परियोजनाएं शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, असम को राष्ट्रीय राजमार्ग विकास और रखरखाव के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

असम-नगालैंड सीमा विवाद, डिसोई जंगल जलाया स्थानीय लोगों ने नगा पड़ोसियों पर आरोप लगाया

जोरहाट। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को कथित नगा बदमाशों ने डिसोई घाटी रिजर्व वन के कुछ हिस्सों में आग लगा दी। यह घटना 20 मार्च को तिरु हिल्स रिजर्व वन में आग लगने की घटना के कुछ ही दिनों बाद हुई है। डिसोई वैली रिजर्व फॉरेस्ट उदयपुर में मरियानी जोरहाट में स्थित है। हालांकि, मरियानी के स्थानीय लोगों के अनुसार, यह आग कथित तौर पर पड़ोसी राज्य नगालैंड के लोगों द्वारा भूमि हड़पने के प्रयास के तहत लगाई गई थी। हालांकि, वन विभाग के सूत्रों का कहना है कि नगा लोग इस क्षेत्र को नगालैंड का हिस्सा मानते हैं और झूम खेती के लिए जंगलों को साफ कर देते हैं। उल्लेखनीय है कि सीमा पर रहने वाले कुछ स्थानीय निवासियों ने सुरक्षा चिंताओं के कारण प्रेस से बात करने से परहेज किया है। इससे पहले, जनवरी में राज्य की सीमा पार से नगा बदमाशों द्वारा कथित अतिक्रमण और धमकी की खबरें सामने आई थीं। स्थिति तब और खराब हो गई जब नगा बदमाशों के एक समूह ने स्थानीय निवासी संतोष कर्मकार को पत्रकारों को उनकी गतिविधियों के बारे में बताने पर धमकाया। अपनी सुरक्षा के डर से कर्मकार और उनके परिवार को अपना घर छोड़कर भागना पड़ा। फरवरी में, कथित नगा बदमाशों द्वारा गोलीबारी की खबरें -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री शर्मा ने बर्नीहाट प्रदूषण मुद्दे पर सहयोग का आश्वासन दिया

शिलांग। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को बर्नीहाट में प्रदूषण के मुद्दे के समाधान के लिए मेघालय सरकार के साथ मिलकर काम करने का आश्वासन दिया। शर्मा ने उत्तर पूर्वी पुलिस अकादमी (नेपा) में आयोजित पासिंग आउट परेड को संबोधित करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, बर्नीहाट असम और मेघालय दोनों का है और जाहिर है, हमारी जिम्मेदारियां साझा हैं। मैं मेघालय सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

भारत के प्रयासों और विचारों को आज पहले से कहीं अधिक महत्व मिल रहा है : पीएम

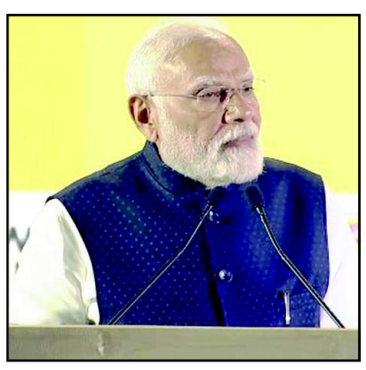

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज भारत के प्रयासों, नवाचारों और विचारों को जो महत्व मिल रहा है, वह पहले कभी नहीं मिला। उन्होंने कहा कि भारत अब न केवल विश्व व्यवस्था में भाग ले रहा है, बल्कि इसके भविष्य को सुरक्षित बनाने में भी योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री नई दिल्ली के भारत मंडपम में *आज भारत क्या सोचता है* विषय पर एक टीवी चैनल द्वारा आयोजित वैश्विक शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज विश्व की दृष्टि भारत पर है। दुनिया के किसी भी देश में जाने पर वहां के लोग भारत को लेकर एक नई जिज्ञासा से भरे हुए हैं। आखिर ऐसा क्या हुआ कि जो देश 70 साल में 11वें नंबर की इकोनॉमी बना और महज 7-8 साल में 5वें नंबर की इकोनॉमी बन गया। आईएमएफ के नए आंकड़े बताते हैं कि भारत दुनिया की एकमात्र मेजर इकोनॉमी है, जिसने 10 वर्षों में अपने जीडीपी को डबल किया है। बीते दशक में भारत ने 2 लाख करोड़ डॉलर अपनी इकोनॉमी में जोड़े हैं। प्रधानमंत्री ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी जांच एजेंसियों की आलोचना करने के लिए विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिन लोगों ने जनता का पैसा लूटा है, उन्हें उसे वापस करना होगा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने जनता को लूटा है उन्हें भी लूटा हुआ धन लौटाना पड़ रहा है। जिस ईडी को दिन-रात गालियां दी जा रही हैं, ईडी ने 22,000 करोड़ रुपए से अधिक वसूले हैं। ये पैसा कानूनी तरीके से उन पीड़ितों तक वापस पहुंचाया जा रहा है जिनसे यह पैसा लूटा गया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। ये युवा तेजी से कौशल -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में फिर निकला चारा घोटाले का जिन्न

29 साल बाद 950 करोड़ रिकवरी करने की तैयारी में सरकार

पटना। देश का चर्चित चारा घोटाला की राशि बिहार सरकार वापस लेने की कोशिश में है। इस घोटाला में 950 करोड़ की राशि का गबन हुआ था। ये राशि सरकार को अबतक नहीं मिली है। बिहार सरकार इसकी वापसी को लेकर अब बेहद गंभीर नजर आ रही है। इसी कड़ी में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा एलान किया है। सम्राट चौधरी ने आज साफ तौर पर कहा कि सरकार सभी चीजों को देख रही है ताकि गबन हुई राशि बिहार सरकार को वापस मिल जाए। सरकार कोर्ट जाने से लेकर एजेंसियों से संपर्क साध सकती है। बताया जा रहा है कि बिहार सरकार चारा घोटाला के 950 करोड़ रुपए की वापसी के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। सम्राट चौधरी ने कहा है कि सरकार वो हर एक प्रयास करेगी जिससे सरकार का पैसा वापस आ जाए। बिहार के दूसरे उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पाकिस्तान की मानसिकता नहीं बदल सकते इंदिरा भी ऐसा नहीं कर पाई : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की चिंताजनक स्थिति को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाए जाने का उल्लेख करते हुए शुक्रवार को कहा कि हम ऐसे पड़ोसी देश की मानसिकता नहीं बदल सकते जिसकी सोच धर्मांधता और कट्टरता वाली है और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी ऐसा नहीं कर सकी थीं। विदेश मंत्री जयशंकर ने लोकसभा में प्रश्नकाल में यह भी कहा कि पाकिस्तान में हिंदुओं समेत धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमलों और उनके उत्पीड़न के अनेक मामले सामने आने के बावजूद वहां की सरकार अपने यहां अल्पसंख्यकों के संरक्षण के लिए कोई कार्रवाई नहीं करती। विदेश मंत्री ने कहा कि सरकार पाकिस्तान और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले व्यवहार पर करीब से नजर रखती है और उनके उत्पीड़न के मामलों को संयुक्त राष्ट्र समेत अनेक अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर समय-समय पर उठाती रहती है। जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान में फरवरी में हिंदुओं पर अत्याचार के 10 मामले, सिखों के उत्पीड़न के दो मामले और ईसाई समुदाय के एक व्यक्ति के साथ ज्यादती का एक मामला सामने आया। विदेश मंत्री ने इनमें अपहरण, जबरन धर्मांतरण और होली खेल रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मामले गिनाए। उन्होंने कहा कि एक मामला अहमदिया समुदाय से जुड़े लोगों के उत्पीड़न का भी सामने आया। विदेश मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश में 2024 में अल्पसंख्यकों पर हमले के 2400 मामले सामने आए और 2025 में अभी तक ऐसे 75 मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने वहां के विदेश मंत्री के साथ इन मामलों को उठाया। हमारे विदेश सचिव ने बांग्लादेश यात्रा के दौरान इस विषय पर बात की। यह भारत सरकार के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। पाकिस्तान में हिंदुओं की घटती जनसंख्या और उनके धार्मिक उत्पीड़न के संबंध में शिवसेना (उबाठा) सदस्य अरविंद सावंत के पूरक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि हम एक देश और एक सरकार होने के नाते ऐसे पड़ोसी देश की मानसिकता नहीं बदल सकते, जिसकी सोच धर्मांधता और कट्टरता वाली है। इंदिरा गांधी भी ऐसा नहीं कर सकी थीं। सावंत ने कहा कि मैं समझता हूं कि राजनीतिक रूप से सरकार कार्रवाई कर रही है लेकिन अब भी परिणाम नहीं मिल रहे। उन्होंने 1971 में पूर्वी पाकिस्तान से बांग्लादेश बनाए जाने के ऐतिहासिक घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी इंदिरा गांधी की याद आती है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के पूरक प्रश्न के उत्तर में विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के खिलाफ कई मामले सार्वजनिक होने और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उठाए जाने के बावजूद पड़ोसी देश की सरकार अपने यहां अल्पसंख्यकों के संरक्षण के लिए कोई कदम नहीं उठाती है।

सिलीगुड़ी में डीवाईएफआई का प्रदर्शन, पुलिस ने दागे आंसू गैस गोले, लाठीचार्ज भी किया

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां पर डीवाईएफआई कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प देखने को मिली है। बताया जा रहा है कि डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के कार्यकर्ताओं ने राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ने का आरोप लगाया है और इसके खिलाफ मोर्चा खोला है। डीवाईएफआई कार्यकर्ता शुक्रवार को राज्य में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए और रोजगार की मांग करते हुए उत्तरकन्या की ओर विरोध मार्च निकाल रहे थे। इस मार्च को रोकने के लिए पुलिस ने कई जगहों पर बैरिकेडिंग की। कार्यकर्ताओं ने पहले ही इस प्रदर्शन को लेकर चेतावनी दी थी। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को उत्तरकन्या तक जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। जब कार्यकर्ता पुलिस की बैरिकेडिंग पर नहीं रूके तो सुरक्षाकर्मियों ने डीवाईएफआई कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें और आंसू गैस के गोले दागे। ये कार्यकर्ता राज्य में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए और रोजगार की मांग करते हुए उत्तरकन्या, मिनी सचिवालय की ओर विरोध मार्च निकाल रहे थे। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए। डीवाईएफआई द्वारा किए जा रहे विरोध मार्च पर एक प्रदर्शनकारी रत्ना चौबे ने कहा कि युवा शांतिपूर्ण मार्च निकाल रहे थे। हम उनके साथ मौजूद थे। जिस तरह से पुलिस ने लाठीचार्ज किया। पुरुष पुलिसकर्मियों ने महिला प्रदर्शनकारियों को पीटा। डीवाईएफआई की मीनाक्षी को गिरफ्तार किया गया। हमारी तरफ से कोई हिंसा नहीं हुई, यह सब शांतिपूर्ण था। युवा बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस को इस बारे में जानकारी थी, लेकिन उन्हें रोक दिया गया। पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार एक बड़ा मुद्दा है। उल्लेखनीय है कि डीवाईएफआई के विरोध मार्च पर सिलीगुड़ी मेट्रोपॉलिटन पुलिस के डीसीपी राकेश सिंह ने कहा कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। अब स्थिति शांतिपूर्ण है। यातायात की नियमित आवाजाही जल्द ही फिर से शुरू हो जाएगी।

तामारहाट में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

धुबड़ी (हिंस)। गोलकगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत तमारहाट में शुक्रवार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। वहां 600 से अधिक भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद थे। गोलकगंज विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और असम राज्य ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष अश्विनी रॉय सरकार ने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव में पारदर्शी और स्वच्छ छवि वाले पंचायत सदस्य और भाजपा आंचलिक पंचायत सदस्य और जिला परिषद सदस्य को विजयी करना होगा। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को इसके लिए तैयार रहने का आह्वान किया। पूर्व विधायक ने कहा कि भाजपा का मुख्य उद्देश्य पिछड़े क्षेत्रों, पिछड़े समुदायों और गरीब व पिछड़े लोगों का विकास करना है।

मुख्यमंत्री योगी ने फूड प्वाइजनिंग से प्रभावित बच्चों से की मुलाकात

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोकबंधु अस्पताल में फूड प्वाइजनिंग से प्रभावित बच्चों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती सभी बच्चों के पास जाकर उनका हालचाल जाना। उन्होंने डॉक्टर्स व अधिकारियों को बच्चों का सुचारू रूप से इलाज करने के निर्देश दिए। बच्चों को स्वास्थ्य के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आज सुबह 10 बजे लोकबंधु अस्पताल में भर्ती 16 बच्चों का हालचाल जानने पहुंचे। एक एक बच्चे के पास जाकर उनके इलाज और उनकी तबीयत में सुधार को लेकर बातचीत की। अपने बीच मुख्यमंत्री को पाकर बच्चे खुश दिखाई दिए। इस दौरान बच्चों ने सीएम का अभिनंदन किया। सीएम योगी भी बच्चों से मिलकर भावुक दिखे। उन्होंने कहा कि बच्चों के इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए और उन्हें पूर्व रूप से स्वस्थ होने के बाद ही डिस्चार्ज किया जाए। अस्पताल के एमएस डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि फूड प्वाइजनिंग से प्रभावित 16 बच्चों को गुरुवार को वार्ड नंबर 30 के अंतर्गत जनरल पुरुष वार्ड में भर्ती कराया गया था।

ड्रग्स समेत एक तस्कर गिरफ्तार

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिला शहर में स्थित गर्दन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के समीप पुलिस ने अभियान चलाकर एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान 9 प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर में भरकर रख गए ड्रग्स समेत जिंटू अली नामक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी नलबाड़ी जिले के जयमंगला गांव का रहने वाला बताया गया है। गिरफ्तार आरोपी ड्रग्स को अपने जूते के भीतर छुपा कर लाया था।

500 भारतीय समेत 1200 कैदियों की रिहाई का एलान : पीएम ने ईद के मौके पर कैदियों को दी ईदी

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति, शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने इस साल फरवरी के अंत में एक महत्वपूर्ण एलान किया। उन्होंने रमजान के मौके पर बड़े पैमाने पर कैदियों को माफी देने की योजना बनाई थी। इस फैसले के तहत, रमजान के खत्म होते ही 1,295 कैदियों को रिहा करने का आदेश जारी किया गया। इसके अलावा, यूएई के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने 1,518 कैदियों को माफी देने का एलान किया है, जिनमें से 500 से ज्यादा भारतीय नागरिक शामिल हैं। ये रिहाई विशेष रूप से रमजान और ईद के पवित्र अवसर पर की गई है, ताकि कैदियों को एक नया

जीवन और उनके परिवारों को साथ बिताने का मौका मिल सके। इन कैदियों को रिहा करके, यूएई ने न केवल न्याय का एक नया उदाहरण पेश किया, बल्कि एक मानवीय पहल भी की है, जिससे लोगों को एक नया अवसर मिलने जा रहा है। अब ये कैदी अपने परिवारों के साथ रमजान और ईद का त्योहार मनाएंगे। इस फैसले ने दुनियाभर में सकारात्मक प्रतिक्रियाएं हासिल की हैं, खासकर उन 500 भारतीय नागरिकों के लिए, जिन्हें अब अपनी मातृभूमि लौटने का मौका मिलेगा। वहीं, रमजान के खत्म होने और ईद की खुशियों के बीच, सऊदी अरब ने भी ईद के छुट्टियों का एलान कर दिया है। सऊदी अरब में पब्लिक सेक्टर के कर्मचारियों के लिए छुट्टियां 22 मार्च से शुरू हो चुकी हैं, जबकि प्राइवेट सेक्टर और नॉन-प्रोफिट सेक्टर के लिए छुट्टियां 27 मार्च से शुरू होंगी। इस रमजान में जहां यूएई ने मानवता की मिसाल पेश की है, वहीं पूरी दुनिया ईद के जश्न के लिए तैयार हो रही है।

पृष्ठ एक का शेष

थाईलैंड और म्यांमार में ...

लाइन पर परिचालन को निलंबित कर दिया और एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने थाईलैंड के सभी हवाई अड्डों के लिए राष्ट्रव्यापी नो-फ्लाई ऑर्डर जारी किया है। बैंकॉक के गवर्नर चाडचार्ट सिट्टीपंट ने बैंकॉक मेट्रोपॉलिटन एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिस में भूकंप घटना कमांड सेंटर की स्थापना का आदेश दिया है। भूकंप के कारण बैंकॉक के चतुचक इलाके में निर्माणाधीन 30 मंजिला इमारत ढह गई। प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा फुकेत से बैंकॉक लौट रहे हैं। उन्होंने फूकेत से जारी आपदा संदेश में भूकंप प्रभावित लोगों से सतर्क रहने को कहा है। शिनावात्रा ने कहा है कि खतरा टला नहीं है। 24 घंटे के भीतर भूकंप के फिर आने की संभावना है। उन्होंने सभी सरकारी मंत्रालयों में समन्वित प्रतिक्रिया का आदेश दिया है। इसके अलावा देश में सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण मंत्रालय भूकंपीय गतिविधि का आकलन कर रहा है। सांख्यिकीय डेटा ने अगले 24 घंटों के भीतर एक और शक्तिशाली भूकंप के जोखिम का संकेत जारी किया है। सुवर्णभूमि हवाई अड्डे ने उड़ानों का संचालन निलंबित कर दिया है। सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विन्थाई सुवारी ने कहा है कि कमांडर-इन-चीफ जनरल पाना क्लेप्लोड्टुक ने सार्वजनिक सहायता के लिए आपदा राहत केंद्र को तत्काल सक्रिय करने का आदेश दिया है। सिंगापुर के अखबार द स्ट्रेट्स टाइम्स की खबर के अनुसार, आज म्यांमार में शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए। सागाइंग शहर के उत्तर-पश्चिम में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल 7.7 रही। म्यांमार की प्राचीन शाही राजधानी मांडले से सोशल मीडिया पर पोस्ट तस्वीरों में सड़कों पर ढही हुई इमारतों का मलबा बिखरा हुआ दिखाई दे रहा है। म्यांमार की समाचार एजेंसी खित थिट के अनुसार, मांडेल में श्वे फोन शीन मस्जिद के ढहने से कम से कम 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। कुछ लोग मस्जिद के भीतर फंसे हुए हैं। थाईलैंड के स्टॉक एक्सचेंज ने व्यापारिक गतिविधियों को स्थगित कर दिया है। बैंकॉक में सिंगापुर दूतावास ने थाईलैंड में रहने वाले सिंगापुर के लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया है। उधर थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक को आज भूकंप के बाद आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया गया। सिटी हॉल ने कहा कि पड़ोसी देश म्यांमार में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद यह घोषणा करनी पड़ी। बैंकॉक पोस्ट के अनुसार, बैंकॉक के गवर्नर चाडचार्ट सिट्टीपंट को आपदा प्रतिक्रिया के समन्वय का प्रभार सौंपा गया है। गवर्नर ने कहा कि म्यांमार के भूकंप ने राजधानी में कई ऊंची इमारतों को नुकसान पहुंचाया है। निरीक्षण चल रहा है और लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया गया है। इस बीच, थाईलैंड के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएटी) ने घोषणा की कि म्यांमार में आए भूकंप के बाद बैंकॉक से आने-जाने वाली सभी उड़ानें सामान्य रूप से चल रही हैं। भूकंप के कारण बैंकॉक में रामा टू सड़क ध्वस्त हो गई है। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया कि शुक्रवार दोपहर को सागाइंग शहर के उत्तर-पश्चिम में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। कुछ मिनट बाद उसी क्षेत्र में 6.4 तीव्रता का आफ्टरशॉक आया। बैंकॉक में भारतीय दूतावास ने थाईलैंड में भारतीय नागरिकों के लिए एक आपातकालीन नंबर (+66 618819218) जारी किया है, जिसका उपयोग वे किसी भी आपात स्थिति में कर सकते हैं।

भारत में भी लगे भूकंप ...

अनुसार 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आने के बाद कोलकाता और इंफाल में भी हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र मध्य म्यांमार में था, जो मोनीवा शहर से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व में है। कोलकाता और उसके आस-पास के इलाकों से हल्के झटके महसूस किए गए। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, भूकंप के कारण शहर में संपत्ति या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। मणिपुर में भूकंप के झटकों से इंफाल के थंगल बाजार के निवासियों में दहशत फैल गई, जहां कई पुरानी बहुमंजिला इमारतें स्थित हैं। हालांकि, पुलिस ने कहा कि अभी तक किसी नुकसान की खबर नहीं है। शिलांग के अधिकारियों ने पुष्टि की कि बैंकॉक भूकंप के एक घंटे बाद मेघालय के पूर्वी गारो हिल्स जिले में भी हल्की तीव्रता का भूकंप आया। क्षेत्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, यह दोपहर 1:03 बजे आया

असम-मेघालय सीमा ...

मार्च 2022 में, दोनों राज्यों ने पहले चरण के दौरान छह क्षेत्रों में मुद्दों को हल करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री की उपस्थिति में नई दिल्ली में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। 36.79 वर्ग किलोमीटर विवादित भूमि को कवर करने वाले पहले चरण के समझौते के तहत, असम को 18.46 वर्ग किलोमीटर मिला, जबकि मेघालय को 18.33 वर्ग किलोमीटर मिला। शेष छह क्षेत्र, जहां मतभेद अधिक जटिल हैं, अब दूसरे चरण में संबोधित किए जा रहे हैं। 1972 में असम से अलग हुए मेघालय ने असम पुनर्गठन अधिनियम, 1971 को चुनौती दी है, जिसे असम अपनी सीमा के रूप में मान्यता देता है।

राज्य सरकार यूट्यूब...

की हमारी परिभाषा के तहत योग्य नहीं हैं। न ही किसी वेब पोर्टल ने कभी इसके लिए हमसे संपर्क किया है। मोजुमदार के मामले के संबंध में, शर्मा ने यह भी कहा कि उनकी व्यावसायिक पहचान अस्पष्ट बनी हुई है, क्योंकि वह डंपरों के कारोबार सहित अन्य व्यापारिक गतिविधियों में भी संलग्न हैं। उन्होंने संकेत दिया कि सरकार यह आकलन करने के लिए गुवाहाटी प्रेस क्लब के साथ परामर्श करेगी कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म के व्यक्तियों को पत्रकार माना जाना चाहिए।

नेपाल में राजशाही को ...

अलग-अलग प्रदर्शन किए गए। टकराव को टालने के लिए सैकड़ों दंगा पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रतिबंधित क्षेत्र न्यू बानेश्वर की ओर बढ़ने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस ने प्रतिबंधों का उल्लंघन करने के आरोप में कई युवकों को हिरासत में ले लिया। राजशाही समर्थक- राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी और अन्य लोग भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। बता दें कि नेपाल के राजनीतिक दलों ने 2008 में संसद की घोषणा के जरिये 240 साल पुरानी राजशाही को खत्म किया और हिंदू राज्य को एक धर्मनिरपेक्ष, संघीय, लोकतांत्रिक गणराज्य में बदल दिया। तब से राजशाही समर्थक राजशाही की बहाली की मांग कर रहे हैं। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र ने लोकतंत्र दिवस (19 फरवरी) पर एक वीडियो संदेश में अपने समर्थन की अपील की थी। दूसरी तरफ, प्रचंड ने भृकुटिमंडप में एक रैली की। इस दौरान उन्होंने हजारों लोगों के सामने कहा कि राजतंत्रवादी लोग राजतंत्र को बहाल करने के लिए लोगों में आतंक फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने काठमांडू में घरों को जलाया और पुलिस पर पथराव किया। इस दौरान उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि नेपाली लोगों और राजनीतिक दलों द्वारा दिखाए गए उदारवादी रवैये को उनकी कमजोरी न समझें। प्रचंड ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र को याद दिलाते हुए कहा कि वे अब एक साधारण नागरिक बन चुके हैं और उन्हें कोई गलती नहीं करनी चाहिए, वरना वे सब कुछ खो देंगे। प्रचंड ने कहा कि राजशाही को फिर से स्थापित करना अस्वीकार्य होगा और उन्होंने राजशाही विरोधी और लोकतांत्रिक ताकतों से आत्म-आलोचना करने की अपील की। विरोध प्रदर्शनों के बाद, शुक्रवार को काठमांडू के बनेश्वर, तिनकुने और आसपास के कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। जिला प्रशासन कार्यालय ने कर्फ्यू लगाने का आदेश जारी किया है। मुख्य जिला अधिकारी ऋषिराम तिवारी के अनुसार, आदेश आज शाम 4:25 बजे से रात 10 बजे तक लागू रहेगा। इस अवधि के दौरान, कर्फ्यू वाले इलाकों में आवाजाही, सभा, रैलियां, विरोध प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेंगे। प्रतिबंधित क्षेत्र गौशाला से हवाई अड्डे, गौरिगांव, तिनकुने और कोटेश्वर तक फैला हुआ है। इसमें कोटेश्वर से जदिबुती पुल, कोटेश्वर से बालकुमारी पुल, बनेश्वर चौक से शंखमुल पुल और गौशाला चौक से पुराना बनेश्वर व नया बनेश्वर चौक शामिल हैं।

असम राष्ट्रीय राजमार्ग ...

सबसे अधिक 5,329 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। वहीं, अरुणाचल प्रदेश को 3,488 करोड़ रुपए, मणिपुर को 1,508 करोड़ रुपए, नगालैंड को 1,227 करोड़ रुपए और त्रिपुरा को 514 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इस बीच, रिपोर्ट से पता चलता है कि अरुणाचल प्रदेश में कम परियोजनाएं होने के बावजूद, भविष्य में निवेश की योजना काफी महत्वपूर्ण है। राज्य में कुल स्वीकृत परियोजनाओं की लागत 43,322 करोड़ रुपए है, जबकि चालू राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की कुल लागत 87,363 करोड़ रुपए है। हालांकि, इन परियोजनाओं का समय पर पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें बाधा-मुक्त भूमि की उपलब्धता, वन और पर्यावरण संबंधी मंजूरी, उपयोगिता स्थानांतरण, मौसम की स्थिति और ठेकेदारों की वित्तीय स्थिरता शामिल हैं। असम, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर और त्रिपुरा में चल रही सभी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं 2028 तक पूरी हो जाएंगी।

असम-नगालैंड सीमा ...

सामने आईं, जिससे मरियानी में असम-नगालैंड सीमा पर निवासियों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि नगा बदमाशों ने उनकी जमीन पर अतिक्रमण करने के प्रयास में गोलियां चलाईं, जिससे सीमा विवाद और बढ़ गया। असम विधानसभा के हाल ही में संपन्न बजट सत्र के दौरान, असम सीमा सुरक्षा और विकास मंत्री अतुल बोरा ने सदन को सूचित किया कि असम के 17 जिलों में लगभग 83,000 हेक्टेयर भूमि पर चार पड़ोसी राज्यों - अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मेघालय और नगालैंड द्वारा अतिक्रमण किया गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, नगालैंड ने 59,490.21 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण किया है। सरकार ने सदन को आगे बताया कि भूमि अतिक्रमण से सबसे अधिक प्रभावित जिलों में गोलाघाट, शिवसागर, जोरहाट, चराइदेउ, शोणितपुर, विश्वनाथ, लखीमपुर, धेमाजी, तिनसुकिया, डिब्रूगढ़, ग्वालपाड़ा, कछार, कामरूप, पश्चिम कार्बी आंग्लांग, दक्षिण सलमारा मानकाचर, करीमगंज (अब श्रीभूमि) और हैलाकांदी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने ...

के साथ मिलकर काम करूंगा ताकि प्रदूषण का स्तर कम हो। 13 मार्च को मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने विधानसभा को आश्वासन दिया था कि बर्नीहाट में वायु गुणवत्ता के मुद्दे के समाधान के लिए मेघालय और असम द्वारा एक संयुक्त कार्य योजना विकसित की जाएगी। संगमा ने कहा था कि उन्होंने इस मामले पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा था कि मैंने उनसे (असम के मुख्यमंत्री से) एक संयुक्त कार्य योजना (इस मुद्दे को हल करने के लिए) बनाने का अनुरोध किया है, क्योंकि बर्नीहाट एक सीमावर्ती शहर है, जहां दोनों पक्षों के औद्योगिक प्रतिष्ठान हैं। उन्होंने आश्वासन दिया था कि सरकार इस मुद्दे से अवगत है। उन्होंने कहा था कि हम यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे कि यह मुद्दा हल हो जाए और न्यूनतम हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि इसलिए, मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि असम और मेघालय के अधिकारियों के रूप में हमारी बैठक के बाद एक संयुक्त कार्य योजना विकसित की जाएगी। हालांकि रिपोर्ट में मेघालय को अकेले चिन्हित किया गया है, लेकिन मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा के दोनों ओर चिंताएं हैं और इन मुद्दों को दोनों राज्यों द्वारा सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे कानून हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि राज्य ऐसे मुद्दों के समाधान के लिए मिलकर काम करें।

भारत के प्रयासों और ...

प्राप्त करके नवाचार को गति दे रहा है। इन सबके बीच भारत की विदेश नीति का मंत्र इंडिया फर्स्ट बन गया है। एक जमाने में भारत की सबसे समान रूप से दूरी बनाकर चलो थी। आज के भारत की नीति सबके समान रूप से करीब होकर चलो है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने न केवल बुनियादी ढांचे में सुधार किया है, बल्कि हमने देश भर में बैंकिंग प्रणाली को भी मजबूत किया है। आज बैंकों का एनपीए बहुत कम हो गया है। आज बैंकों का लाभ एक लाख 40 हजार करोड़ रुपए के नए रिकॉर्ड को पार कर गया है। बाजार में विदेशी के बजाय भारतीय उत्पादों की मांग को तवज्जो मिलने का जिक्र करते हुए कहा कि आज स्थिति बदल गई है। भारत की पहली एमआरआई मशीन के समाचार का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इतने दशकों तक हमारे यहां स्वदेशी एमआरआई मशीन ही नहीं थी। अब मेड इन इंडिया एमआरआई मशीन होगी तो जांच की कीमत भी कम हो जाएगी। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियान ने देश के विनिर्माण सेक्टर को नई ऊर्जा दी है। मोदी ने कहा कि पहले दुनिया भारत को ग्लोबल मार्किट कहती थी, आज वही दुनिया भारत को एक बड़े मैन्यूफैक्चरिंग हब के रूप में देख रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए दुनिया को एकजुट होना चाहिए, जिनमें से एक ऊर्जा संसाधनों का मुद्दा है। इससे निपटने के लिए, हमने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की स्थापना की, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि छोटे देश भी स्थायी ऊर्जा से लाभ उठा सकें। इस पहल का जलवायु परिवर्तन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और वैश्विक दक्षिण के देशों की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 100 से ज़्यादा देश पहले ही इस प्रयास में शामिल हो चुके हैं।

29 साल बाद 950...

ने कहा कि करीब 29 साल हो गए हैं और भ्रष्टाचारियों की संपत्ति जब्त न करना भ्रष्टाचारियों का मनोबल बढ़ा रहा है। ऐसे भ्रष्टाचारियों की संपत्ति सजा से पहले जब्त होनी चाहिए। आपको बता दें कि पटना हाईकोर्ट ने 1996 में चारा घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपते समय यह निर्देश दिया था कि गबन की गई राशि आरोपियों की संपत्ति बेचकर बिहार सरकार को लौटाई जाए। हालांकि, अबतक ये संभव नहीं हो सका है। बीते 29 साल में एक भी रुपया खजाने में वापस नहीं आया है। इसका बड़ा कारण यह है कि आरोपियों की संपत्ति जब्त करने और उसे नीलाम करने में कानूनी पेचीदगियां आड़े आ रही हैं। वहीं, सरकार ने सीबीआई और आयकर विभाग से इस मामले में बातचीत शुरू की है।

मोदी सरकार ने ...

महंगाई भत्ता मिलता था। सरकार ने इससे पहले जुलाई 2024 के दौरान महंगाई भत्ते में इजाफा किया था। उस समय महंगाई भत्ते को 50 फीसदी से बढ़ाकर 53 फीसदी तक किया गया था। महंगाई भत्ते में हुए इजाफे से 1 करोड़ से अधिक केंद्रीय कर्मचारियों को फायदा मिलने वाला है। केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों की लंबे समय से ये मांग रही है कि उन्हें मिलने वाले महंगाई भत्ते में 3 फीसदी का इजाफा किया जाए। हालांकि पहले से ही ये अनुमान लगाया जा रहा था कि महंगाई भत्ते में 2 फीसदी तक इजाफा किया जाएगा। केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 2 फीसदी का इजाफा किया है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि ये उनकी सैलरी में 1 जनवरी से प्रभावित होना शुरू हो जाएगा। सरकारी आंकड़ों की मानें तो, आमतौर पर महंगाई भत्ते में 3 से 4 फीसदी तक इजाफा किया जाता है। इससे पहले भी सरकार ने 3 फीसदी तक डीए में बढ़ोतरी की थी। हालांकि इस बार महंगाई भत्ते में 3 फीसदी तक ही इजाफा किया गया है। इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक कोविड-19 महामारी के समय सरकार ने सभी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में रोक लगा दी थी। सरकार ने जनवरी 2020 से जून 2021 तक 18 महीनों तक केंद्रीय कर्मचारियों को कोई भी महंगाई भत्ता नहीं दिया था। वहीं कर्मचारी बहुत समय से इस पीरियड के एरियर की मांग कर रहे हैं। सरकार हर साल में दो बार महंगाई भत्ता में बढ़ोतरी करती है। ये बढ़ोतरी एक बार जनवरी से जून के लिए और दूसरी बार जुलाई से दिसंबर के लिए की जाती है। सरकारी कर्मचारियों को सैलरी के साथ-साथ की तरह के बेनिफिट मिलते हैं। उन्हें कई तरह के भत्ते दिए जाते हैं। इनमें से ही एक महंगाई भत्ता भी है। महंगाई भत्ता कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई को देखते हुए दिया जाता है। ताकि इन्फ्लेशन का उन पर कोई असर ना हो।

मणिपुर में चार उग्रवादी ...

जा रहा है, जिसे बिष्णुपुर जिले के माइबाम चिंगमांग इलाके से पकड़ा गया। आरोपी की पहचान लीसांगथेम हिरेन सिंह के रूप में हुई है, जो लोगों से अवैध वसूली में लिप्त था। सुरक्षाबलों ने इंफाल ईस्ट जिले से लिकमाबाम अमुजाओ मैतई उर्फ लाकपा को गिरफ्ता किया है। यह केसीपी-पीएससी पोलितब्यूरो स्टैंडिंग कमेटी का सदस्य बताया जा रहा है। वहीं दो उग्रवादियों को थाउबल जिले से गिरफ्तार किया गया। ये दोनों केसीपी के सदस्य हैं। इनकी पहचान लोइतोंगबाम बोयाई सिंग और खमुनथेम धनबीर सिंह के रूप में हुई है। सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में हथियार और कारतूस भी बरामद किए हैं। यह बरामदगी जिरीबाम, इंफाल वेस्ट और बिष्णुपुर जिले से हुई है। इंफाल वेस्ट से बरामद हथियारों में दो इंसास राइफल्स, दो एसएमजी कार्बाइन, भारी संख्या में कारतूस, आठ बुलेटप्रूफ प्लेट्स, सात बुलेटप्रूफ जैकेट आदि शामिल हैं। वहीं जिरीबाम से तीन इंसास राइफल्स, मैग्जीन, दो एसएलआर राइफल्स बरामद की गई हैं। कांगपोकपी जिले में एक बंकर भी तबाह किया गया है।

भूपेन बोरा को पूर्णकालिक ज्योतिषी बन जाना चाहिए : भाजपा

गुवाहाटी। असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के हाल ही में दिए गए बयान में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और भाजपा सरकार को 2026 में सत्ता से बेदखल करने की भविष्यवाणी की गई है, जिसकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम प्रदेश ने तीखी आलोचना की है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुआ ने कड़े शब्दों में कहा कि भूपेन बोरा लगातार ज्योतिषी की तरह काम कर रहे हैं और भाजपा और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के बारे में अजीबोगरीब भविष्यवाणियां कर रहे हैं। उनकी टिप्पणियां कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं की बढ़ती हताशा का प्रतिबिंब मात्र हैं। भाजपा ने आगे कहा कि कांग्रेस नेता की निराशावादिता भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की कल्याणकारी पहलों और असम के विकास के लिए समर्पित प्रयासों के लिए जनता के भारी समर्थन से उपजी है। हाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बयान में सरकार द्वारा वैश्विक मंच पर असम की विविध सांस्कृतिक विरासत, विशेष रूप से स्वदेशी और चाय जनजाति समुदायों के सफल प्रचार पर जोर दिया गया। इसके अलावा, *एडवांटेज असम 2.0* जैसी पहल, जिसका उद्देश्य असम की आर्थिक नींव को मजबूत करने के लिए 5 लाख करोड़ रुपए के निवेश को सुरक्षित करना है, ने भूपेन बोरा जैसे विपक्षी नेताओं को और भी बेचैन कर दिया है। ऐसे घटनाक्रमों के मद्देनजर, भाजपा ने आरोप लगाया कि भूपेन बोरा और अन्य विपक्षी नेता भ्रमित हो गए हैं, और जनता को गुमराह करने के लिए अव्यवहारिक भविष्यवाणियों का सहारा ले रहे हैं। बयान का समापन एक तीखी टिप्पणी के साथ हुआ, जिसमें सुझाव दिया गया कि निरर्थक राजनीतिक भविष्यवाणियां करने के बजाय, भूपेन बोरा को पूर्णकालिक ज्योतिषी बनने पर विचार करना चाहिए।

पिस्तौल समेत एक आरोपी गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। होजाई जिले के डबका पुलिस ने पिस्तौल और ड्रग्स समेत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान एक पिस्तौल समेत जियाबुर रहमान नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से एक पिस्तौल, 6 राउंड जिंदा कारतूस, चार ड्रग्स से भरे छोटे-छोटे प्लास्टिक के कंटेनर जब्त किया गए हैं। यह अभियान डबका थाना क्षेत्र के दिघलजरूनी इलाके में चलाया गया था। पुलिस इस संबंध में आर्म्स एक्ट और एनडीपीएसएक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी से सघन पूछताछ कर रही है।

कामरूप महानगर जिला सड़क सुरक्षा समिति ने की बैठक

गुवाहाटी। कामरूप मेट्रोपोलिटन जिला आयुक्त सुमित चट्टावन ने आज जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में कामरूप मेट्रोपोलिटन जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य सचिव अभिजीत चौधरी, आरंभकर्ता निरीक्षक बिक्रमादित्य गोगोई, नीतू चेतिया, यातायात निरीक्षक पंकज कुमार दास और जिला सड़क सुरक्षा समिति में शामिल विभिन्न विभागों के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई, जैसे कि एनएच-27 पर विभिन्न स्थानों पर संयुक्त गश्त के लिए जिला परिवहन अधिकारियों

के साथ चर्चा, पैदल यात्रियों सहित सभी वर्ग के वाहन उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षित यातायात का प्रावधान, ब्लैक स्पॉट डेटा का प्रावधान आदि। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी विभागों से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को कम करने में अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने का आग्रह किया गया।

एससी एवं पिछड़ा वर्ग के लोगों के बीच सिलाई मशीन ग्राफिक्स डिजाइन यूनिट और पिकअप वाहन वितरित

गुवाहाटी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री पीयूष हजारिका ने आज अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित एक समारोह में आय सृजन एवं कौशल विकास योजना के तहत कई लाभार्थियों को सिलाई मशीनें, ग्राफिक्स डिजाइन इकाइयां और पिकअप वाहन वितरित किए। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण निदेशालय ने आज 1000 अनुसूचित जाति महिलाओं को सिलाई मशीन, 168 युवाओं को ग्राफिक डिजाइन इकाइयां और 32 सफाईकर्मियों को पिकअप वाहन वितरित किए। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार राज्य के हर समुदाय के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का एकमात्र सपना है कि जो लोग उत्पीड़ित और शोषित हैं वे आगे बढ़

सकें और समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। मंत्री ने आज के समारोह में इन वस्तुओं के वितरण का औपचारिक उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि डिजाइन इकाइयों की संख्या बढ़ाकर 168 कर दी गई है। समारोह में बोलते हुए मंत्री हजारिका ने कहा कि आत्मनिर्भर असम के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से अनुसूचित जाति की महिलाओं, सफाईकर्मियों, मैला ढोने वालों आदि के लिए आय सृजन योजना के तहत आज ग्राफिक डिजाइन इकाइयां, सिलाई मशीनें और पिकअप वाहन वितरित किए गए। मंत्री ने उम्मीद जताई कि इस योजना के लाभार्थी आने वाले दिनों में इस सहायता की मदद से स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से समृद्ध जीवन जी सकेंगे। मंत्री ने कहा कि योजना के तहत पात्र लाभार्थियों के चयन में कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है और पूछा कि क्या सभी लाभार्थियों को सार्वजनिक रूप से किसी भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ा है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री ने सभी लाभार्थियों से आज प्राप्त सामग्रियों का उपयोग स्वरोजगार का मार्ग प्रशस्त करने के लिए करने का आग्रह किया। मंत्री ने सभी से सामान न रखने और न ही दूसरों को बेचने का आग्रह किया। मंत्री ने प्रतिभागियों को राज्य सरकार द्वारा समाज के पिछड़े वर्गों के लिए किए गए विभिन्न कल्याणकारी कार्यों की भी जानकारी दी।

गोलाघाट में रंगाली बिहू के स्वागत की तैयारियां जोरों पर

गोलाघाट (हिंस)। असम में रंगाली बिहू का आगमन होने ही वाला है, और इस पर्व के स्वागत में पूरे राज्य सहित गोलाघाट जिले में भी तैयारियां जोरों पर हैं। फागुन की तेज आंधियां पेड़ों की पुरानी पत्तियों को गिराकर उन्हें नंगे शाखों में बदल रही हैं। इसी बीच सेमल के लाल फूल, आम के मंजर, कटहल के कोमल पत्ते और कोयल की मधुर कूक ने बसंती मौसम में एक नया रंग घोल दिया है। धरती की इस श्रृंगार बेला के साथ ही असमिया समाज का सबसे प्रिय पर्व, रंगाली बिहू, दरवाजे पर दस्तक दे चुका है। गोलाघाट के विभिन्न क्षेत्रों में बिहू के स्वागत की तैयारियां बड़े उत्साह के साथ चल रही हैं। बिहू नर्तक और नर्तकियां अपनी प्रस्तुतियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। गांव-गांव और शहर-शहर में गूंजते ढोल और पेपा की ध्वनियां पूरे वातावरण को संगीतमय बना रही हैं। ग्रामीण घरों के आंगन में बिहू नर्तक और

नर्तकियां उत्साहपूर्वक नृत्य का अभ्यास कर रहे हैं। इसके साथ ही ढोल निर्माताओं की भी व्यस्तता चरम पर है। हर गली और नुक्कड़ पर बिहू की तैयारी में जुटे लोगों की चहल-पहल दिखाई दे रही है। गोलाघाट के छात्र संघों और खेल मैदानों में भी बिहू के अभ्यास सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों में युवा लड़कियों से लेकर वृद्ध महिलाएं तक बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। उनकी ऊर्जा और उत्साह देखने लायक है। गोलाघाट में हर तरफ बिहू का उल्लास छाया हुआ है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोग अपने घरों और आसपास को संवारने में लगे हैं। फूलों से सजी गलियां, लोक गीतों की गूंज और पारंपरिक वेशभूषा में सजे लोग रंगाली बिहू के स्वागत में मग्न हैं। असमिया संस्कृति की यह विशिष्ट पहचान न केवल राज्यवासियों को जोड़ती है, बल्कि उनकी परंपराओं और भावनाओं को भी जीवंत बनाती है। इस बार भी गोलाघाट पूरे हर्षोल्लास के साथ बैसाखी का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अहंकारी और तानाशाह शासकों ने लोकतंत्र को कमजोर किया है : जगदीश

गुवाहाटी। असम जातीय परिषद (एजेपी) ने पत्रकार और वकील दिलवर हुसैन मजूमदार को जमानत मिलने के बाद उनकी गिरफ्तारी की निंदा की है। असम जातीय परिषद के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई और महासचिव जगदीश भुयान ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा पत्रकार को जेल में रखने की एक भयानक साजिश है। उन्होंने कहा कि सीएम अब लोकतांत्रिक नियमों और विनियमों का उल्लंघन करते हुए मनमाने ढंग से सरकार चला रहे हैं। यह एक भयानक भविष्य का स्पष्ट संकेत है। हम पत्रकार की तत्काल रिहाई की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार को असम जातीय परिषद के सहयोगी संगठन जातीय युवा शक्ति द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन को कवर करते समय अपेक्स बैंक के प्रबंध निदेशक से पूछताछ करने के लिए गिरफ्तार किया गया था। अपेक्स बैंक घोटाले की जांच होनी चाहिए। देश की अर्थव्यवस्था के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। यह शर्मनाक है कि मुख्यमंत्री अपेक्स बैंक घोटाले में भाजपा विधायकों की संलिप्तता के बारे में अप्रासंगिक बयान देकर मुख्य मुद्दे को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। असम जातीय परिषद अपेक्स बैंक में भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी लड़ाई से पीछे नहीं हटेगी। गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री, जो सड़क पर कार्रवाई से डरते हैं, आक्रामक रूप से प्रेस की स्वतंत्रता पर कब्जा करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री संवैधानिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को रौंदकर पत्रकारों के खिलाफ मनमानी कर रहे हैं। यह किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार्य है। लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार के मुख्यमंत्री का ऐसा व्यवहार बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और निराशाजनक है। पार्टी के महासचिव जगदीश भुइयां ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सरकार की फासीवादी प्रथाएं न केवल पत्रकारों के लिए, बल्कि किसी भी नागरिक के लिए खतरनाक हैं। हमें सामूहिक और व्यापक प्रतिरोध के साथ मुख्यमंत्री की साजिश को विफल करना होगा। हम सभी क्षेत्रों के नागरिकों से लोकतंत्र के संकट को रोकने और आगे आने वाली भयावहता को समझने और सरकारी साजिश की जंजीरों को तोड़ने का आह्वान करते हैं।

रंगिया प्रेस क्लब के सामने संवाददाताओं का विरोध-प्रदर्शन

रंगिया (निसं)। संपूर्ण असम में पत्रकार समाज के बीच तीव्र आक्रोश और विरोध की लहर उठ रही है। वरिष्ठ पत्रकार दिलवर हुसैन मजुमदार के गिरफ्तारी की घटना के खिलाफ राज्य के विभिन्न हिस्सों के साथ रंगिया में भी पत्रकार विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। रंगिया के पत्रकार समाज ने इस अन्याय के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए आज दोपहर रंगिया प्रेस क्लब के सामने विरोध-प्रदर्शन किया। इस विरोध कार्यक्रम में पत्रकारों ने काला बेज पहनकर अपनी नाराजगी और असंतोष व्यक्त किया। जिसके जरिए उन्होंने पत्रकार दिलवर हुसैन मजुमदार पर हुए इस अन्याय की तीव्र निंदा की तथा संवाद माध्यम का गला घोटना बताया है। मालुम हो कि घटना की शुरुआत तब हुई जब दिलवर हुसैन मजुमदार एपेक्स बैंक में हुए भ्रष्टाचार के बारे में जानकारी एकत्रित करने गए थे। उन्होंने इस

भ्रष्टाचार में संलिप्त एपेक्स बैंक के एमडी डंबरु सैकिया से प्रश्न किया, जो उनकी पत्रकारिता का एक स्वाभाविक हिस्सा था लेकिन इस प्रश्न के प्रतिउत्तर में पानबजार पुलिस ने उनके खिलाफ झूठा मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। दिलवर हुसैन मजुमदार गुवाहाटी प्रेस क्लब के सहायक सचिव एवं एक वरिष्ठ पत्रकार हैं। उनकी इस गिरफ्तारी को पत्रकार समाज ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ तथा संवाद जगत की स्वाधीनता पर प्रत्यक्ष हमला माना है। रंगिया के संवाददाताओं ने इसके प्रतिवाद में गिरफ्तारी की निंदा करने के साथ दिलवर हुसैन मजुमदार की रिहाई की मांग की है।

मेरापानी में सरकार के महिला व शिशु विभाग की जागरूकता बैठक आयोजित

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के मेरापानी में असम सरकार की महिला व शिशु विकाश विभाग द्वारा एक विशाल जागरूकता बैठक आयोजित की गई। मेरापानी के पुलिबागान रंगमंच पर राज्य सरकार द्वारा आयोजित इस जागरूकता बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा वित्त मंत्री अजंता नेओग उपास्थित थीं। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी बच्चों और महिलाओं के बीच पारंपरिक खेल, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। साथ ही एक जन जागरूकता बैठक भी हुई। इस कार्यक्रम में गोलाघाट जिला आयुक्त पुलक मोहंता, गोलाघाट जिला भाजपा अध्यक्ष चंदन ज्योति ठाकुर, ठेंगाल कछारी स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य कुमुद कछारी और असम गण परिषद गोलाघाट जिला अध्यक्ष डॉ. नृपेन बरुवा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मंत्री अजंता नेओग ने बैठक में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

रंगिया रेलवे पुलिस ने ड्रग्स के साथ एक सप्लायर को किया गिरफ्तार

रंगिया (निसं)। रंगिया रेल पुलिस की बड़ी सफलता मिली जिसमे संदिग्ध ड्रग्स के साथ एक आपूर्तिकर्ता को गिरफ्तार किया है। गत रात में रंगिया रेल जंक्शन पर रेल पुलिस ने अभियान चलाकर ड्रग्स के साथ एक सप्लायर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आपूर्तिकर्ता बरपेटा जिले के हाउली पुलिस थाने के अंतर्गत हाथीजाना खंदकार पारा का गुलाब खान बताया गया है। रेल पुलिस ने गुलाब खान से 59 कंटेनर के साथ 73 ग्राम ड्रग्स बरामद करने में सफलता पाई है। बरामद किए गए ड्रग्स की अनुमानित कीमत लगभग लाख रुपए से अधिक है। आपूर्तिकर्ता गुलाब खान ने ड्रग्स को बरपेटा से धेमाजी जिले के सिलापथार के लिए ले जा रहा था। रंगिया रेल पुलिस के प्रभारी अधिकारी गुणजीत पाठक के नेतृत्व में रंगिया रेल जंक्शन के 1 नंबर प्लेटफॉर्म पर अभियान चलाकर ड्रग्स के साथ आपूर्तिकर्ता गुलाब खान को पकड़ने में सफलता मिली थी। वर्तमान में ड्रग्स आपूर्तिकर्ता गुलाब खान रंगिया रेल पुलिस की हिरासत में है।

चिन्मय मिशन का चार दिवसीय श्रीमद् भागवत गीता का कार्यक्रम शुरू

गुवाहाटी (विभास)। चिन्मय मिशन के तत्वावधान में चार दिवसीय कार्यक्रम सफलता के निश्चित सुत्र (श्रीमद् भगवत गीता के आधार पर) सांय 5-30 से लोहिया लायंस ऑडिटोरियम में वृहस्पतिवार को शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में कोयम्बटूर से पधारी गुरु मां पूज्य स्वामीनी बिमलानन्दा जी के मुखारविंद से बहुत ही रोचक ज्ञान गंगा का प्रवाह बहा। जिसने उपस्थित सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करते हुए ज्ञान चक्षु को जागृत किया। ये ज्ञान गंगा का प्रबल प्रभाव आगामी तीन दिन तक अनवरत जारी रहेगा। प्रथम दिन के कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. सुनीता अग्रवाल ने गुरू मां बिमलानन्दा, चिन्मय मिशन के अध्यक्ष आर एस जोशी, आवासीय आचार्य ब्रह्मचारिणी अचिंत्यनंदनी तथा मुख्य अतिथि कैलाश काबरा प्रांतीय अध्यक्ष पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन को ससम्मान मंचासीन करवाया। सम्मान समारोह के बाद मंच पर उपस्थित गणमान्यों ने स्वामिनी अम्मा ने दर्शकों के लिए कुछ प्रेरणादायक विचार रखे। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए यंत्र, तंत्र और मंत्र का ज्ञान होना आवश्यक है उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि फोन स्मार्ट हो गए हैं और हम मूर्ख बन गए हैं। तंत्र का अर्थ है ऐसे नियम जो हमारे जीवन को आसान बनाते हैं। हमें नियमों का पालन करने के लिए प्रशिक्षित होना चाहिए। जब भी हम नियम तोड़ते हैं तो हमें लगता है कि हम होशियार हैं। प्रेरक मंत्र सत्र का समापन गीता आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

रंगाली बिहू के आगमन के साथ बढ़ी शिल्पकारों की व्यस्तता

तिनसुकिया (हिंस)। रंगाली बिहू के आगमन के साथ असम में शिल्पकारों की व्यस्तता बढ़ गई है। डिगबोई और टिंगराई क्षेत्र के तांतशालों (हथकरघा इकाइयों) में महिलाएं पूरे जोश और उत्साह के साथ पारंपरिक गामोछा बुनने में जुटी हुई हैं। गामोछा, असमिया संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, जिसे रंगाली बिहू के अवसर पर प्रियजनों को उपहार स्वरूप भेंट किया जाता है। इस विशेष मौके पर हाथ से बुने गए गामोछा की मांग बढ़ जाती है। शिल्पकार महिलाएं इस अवसर का लाभ उठाकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का प्रयास कर रही हैं। वे अपनी कला और मेहनत के माध्यम से अपनी आजीविका चला रही हैं। हालांकि, बाजार में मशीन से बने गामोछा की गुपचुप बिक्री ने इन शिल्पकारों की परेशानी बढ़ा दी है। बाहरी राज्यों से लाए गए सस्ते और कम गुणवत्ता वाले गामोछे स्थानीय उत्पादों को टक्कर दे रहे हैं। इससे शिल्पकारों की मेहनत और उनकी पारंपरिक कला को नुकसान पहुंच रहा है। हालांकि, राज्य सरकार ने बाहरी यानी मशीन से बने गामोछा की बिक्री पर राज्य में पूरी तरह से रोक लगा रखा है। बावजूद चोरी-छिपे अभी भी मशीन से बने गामोछा बिकते नजर आ जाते हैं। इसके बावजूद, महिलाओं की लगन और समर्पण में कोई कमी नहीं है। तांतशालों में चरखों की आवाज और करघों की लयबद्ध ध्वनि पूरे माहौल को जीवंत बना रही है। अपने हाथों से तैयार किए गए हर गामोछा में वे प्यार और मेहनत की सुगंध भर रही हैं। रंगाली बिहू के इस उल्लासमय पर्व में असम की परंपरा और संस्कृति को संजोए रखने के लिए शिल्पकारों का यह प्रयास निश्चय ही सराहनीय है।

चिरांग : एसएसबी ने किया पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

बिजनी। 54वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, (एसएसबी) बिजनी की सीमा चौकी पानबाड़ी के कार्यक्षेत्र में नवीन कुमार कमांडेंट 54वीं वाहिनी एसएसबी के मार्गदर्शन में एक निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर (विलेज ओपीडी) का आयोजन किया गया। 54वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 28 मार्च को नंबर 2 बरपथार गांव की सीमा चौकी पानबारी में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस पशु चिकित्सा शिविर में राज्य पशु चिकित्सालय बिजनी के डॉक्टर अनामिका मजुमदार (पशु चिकित्सक) द्वारा कुल 183 मवेशियों व पक्षियों की चिकित्सा जांच-उपचार किया गया व पशु/पक्षियों में होने वाले बिमारियां एवं उससे बचाव के बारे में जानकारियां दी गई। पशु

चिकित्सा शिविर के दौरान 57 ग्रामीणों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। इसके अलावा पशु-पक्षियों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश एवं सावधानियों से भी अवगत कराया गया। इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन से ग्रामीणों में काफी प्रसन्नता देखने को मिली और 54वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) बिजनी द्वारा आयोजित होने वाले इस तरह के जन कल्याणकारी कार्यों की स्थानीय ग्रामीणों ने भूरी भूरी प्रशंसा की।

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट का न्याय

बेशक इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक न्यायमूर्ति का वह फैसला अशांत, आकुल और विक्षुब्ध करने वाला था। उन्होंने दुष्कर्म करने या उसकी कोशिश करने अथवा दुष्कर्म की मंशा की कानूनी व्याख्या की थी। यदि 688 जिला अदालतों में से किसी का फैसला ऐसा होता, तो बहुत चीखा-चिल्ली मचती और विरोध-प्रदर्शन भी होते। यह देश के 27 उच्च न्यायालयों में से एक के न्यायाधीश का फैसला था और करीब 4 महीने तक खूब चिंतन-मनन करने के बाद फैसला सुनाया गया था, लिहाजा सर्वोच्च अदालत को ज्यादा संवेदनहीन और अमानवीय लगा, नतीजतन विवादित हिस्से पर रोक लगा दी गई। जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने फैसला सुनाते हुए कहा था-पीड़िता के निजी अंगों को पकडना और पायजामे का नाड़ा तोडना दुष्कर्म या दुष्कर्म की कोशिश नहीं मानी जा सकती। इस फैसले पर न्यायविदों, नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बहुत तल्ख प्रतिक्रियाएं जताई थीं। 'वी द वुमेन ऑफ इंडिया' की अर्जी पर सर्वोच्च अदालत को स्वतः संज्ञान लेना पड़ा। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की न्यायिक पीठ ने कहा कि 'यह मामला नाबालिग से दुष्कर्म का है, जो बेहद गंभीर है। खेद है कि फैसला देने वाले जज के खिलाफ कठोर शब्दों का प्रयोग करना पड़ रहा है। यह फैसला जज का असंवेदनशील और अमानवीय नजरिया दिखाता है, लिहाजा इस पर रोक जरूरी है।' केंद्र के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने भी पीठ के फैसले से सहमति जताई। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म की तैयारी थी, दुष्कर्म नहीं किया गया, जज के फैसले में ऐसा कहा गया है। यह बेहद गंभीर टिप्पणी है। जस्टिस गवई ने यह भी कहा था कि पीड़िता की मां की याचिका भी टैग की जाए। अदालत ने केंद्र, उप्र सरकार और पक्षकारों को नोटिस भेज कर जवाब मांगा है। बहरहाल सवाल है कि 'दुष्कर्म' का भाव क्या होता है? आरोपितों ने उस नाबालिग लडक़ी के निजी अंगों को क्यों पकड़ा था? पायजामे का नाड़ा क्यों तोड़ा या खोला था? और उस लडक़ी को पुलिया के नीचे क्यों ले जाना चाहते थे? इन सभी हरकतों में दुष्कर्म की नीयत अथवा मंशा साफ थी, लिहाजा एक आम आदमी के तौर पर हम इसे दुष्कर्म ही मानेंगे। आमतौर पर फैसले के ऐसे चरण में सर्वोच्च अदालत हस्तक्षेप नहीं करती और न ही रोक लगाती, लेकिन न्याय के नाम पर यह अनैतिक था और न्यायिक सिद्धांतों से परे था, लिहाजा विवादित हिस्से पर रोक लगानी पड़ी। वो तो लडक़ी जोर से चीखती रही, लिहाजा कुछ लोग उसे बचाने को वहां आ गए और आरोपित वहां से भाग गए, नतीजतन लडक़ी दुष्कर्म के दंश से बच गई। अलबत्ता दुष्कर्म हो सकता था। वर्ष 2021 में सर्वोच्च अदालत ने आरोपित पैतृक और स्त्री-द्वेषी रवैये के खिलाफ एक व्यापक चेकलिस्ट जारी की थी। खासकर न्यायिक फैसलों के संदर्भ में यह किया गया था, लेकिन अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। निचली अदालतों में स्थितियां काफी खराब हैं। सवाल हैं कि ऐसे मामलों में देश के आम नागरिक को अदालतों से इतर न्याय कहां से मिल सकता है? दुष्कर्म के काफी मामलों में विवाह को ही एक अंतिम उपाय माना जाता रहा है। क्या यही अंतिम विकल्प हो सकता है? लडक़ी बलात्दुष्कर्मी को अपना जीवन-साथी, पति कैसे स्वीकार कर सकती है? बहरहाल, एक नाबालिग लडक़ी के संदर्भ में सर्वोच्च अदालत ने जो फैसला दिया है, वह उदाहरण बनाया जाना चाहिए।

केंद्र के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने भी पीठ के फैसले से सहमति जताई। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म की तैयारी थी, दुष्कर्म नहीं किया गया, जज के फैसले में ऐसा कहा गया है। यह बेहद गंभीर टिप्पणी है। जस्टिस गवई ने यह भी कहा था कि पीड़िता की मां की याचिका भी टैग की जाए। अदालत ने केंद्र, उप्र सरकार और पक्षकारों को नोटिस भेज कर जवाब मांगा है। बहरहाल सवाल है कि 'दुष्कर्म' का भाव क्या होता है? आरोपितों ने उस नाबालिग लडक़ी के निजी अंगों को क्यों पकड़ा था? पायजामे का नाड़ा क्यों तोड़ा या खोला था? और उस लडक़ी को पुलिया के नीचे क्यों ले जाना चाहते थे? इन सभी हरकतों में दुष्कर्म की नीयत अथवा मंशा साफ थी, लिहाजा एक आम आदमी के तौर पर हम इसे दुष्कर्म ही मानेंगे। आमतौर पर फैसले के ऐसे चरण में सर्वोच्च अदालत हस्तक्षेप नहीं करती और न ही रोक लगाती, लेकिन न्याय के नाम पर यह अनैतिक था और न्यायिक सिद्धांतों से परे था, लिहाजा विवादित हिस्से पर रोक लगानी पड़ी। वो तो लडक़ी जोर से चीखती रही, लिहाजा कुछ लोग उसे बचाने को वहां आ गए और आरोपित वहां से भाग गए, नतीजतन लडक़ी दुष्कर्म के दंश से बच गई। अलबत्ता दुष्कर्म हो सकता था।

औरंगजेब का अनुमान था कि इस भयानक मंजर से भारत के लोग और अधिक डर जाएंगे और स्वतंत्रता के प्रयास सदा के लिए समाप्त हो जाएंगे

गुरु तेग बहादुर, औरंगजेब व वाल्मीकि समाज

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

औरंगजेब ने हिंदुस्तान के इस सच्चे पातशाह को दिल्ली के चांदनी चौक में अमानवीय यातनाएं देकर शहीद कर दिया था। लेकिन देश का यह सच्चा पातशाह मर कर भी जिंदा रहा, लेकिन औरंगजेब जिंदा होते हुए भी मर गया था। चांदनी चौक की मस्जिद के पास गुरु जी का धड़ और सिर अलग-अलग पड़े थे। मुगल शासन ने गुरु जी की देह को उठाने पर प्रतिबंध लगा दिया था ताकि जनमानस में स्थायी भय डाला जा सके। लेकिन क्या मुगल सत्ता के इस अमानवीय कार्य से सचमुच आम भारतीय डर गया था या फिर गुरुजी और उनके साथियों के इस आत्मबलिदान से उनमें एक नई चेतना और ऊर्जा जागृत हुई? गुरु जी ने आनंदपुर से चलने से पहले ही अनुमान लगा लिया था कि उनके बलिदान से आम जनता में तूफान खड़ा हो जाएगा।

मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर बहस बंद होने का नाम नहीं ले रही। कुछ विद्वान औरंगजेब के गुणों को तलाशने में अपनी सारी बुद्धि खपा रहे हैं। जिन दिनों औरंगजेब और उसके दरबारी उसको हिंदुस्तान का बादशाह बता रहे थे, उन दिनों हिंदोस्तान के लोग गुरु तेग बहादुर को हिंदुस्तान का सच्चा पातशाह मान रहे थे। एक बादशाह लोगों के शरीर पर राज कर रहा था और दूसरा पातशाह उनकी चेतना का बादशाह था। औरंगजेब ने हिंदुस्तान के इस सच्चे पातशाह को दिल्ली के चांदनी चौक में अमानवीय यातनाएं देकर शहीद कर दिया था। लेकिन देश का यह सच्चा पातशाह मर कर भी जिंदा रहा, लेकिन औरंगजेब जिंदा होते हुए भी मर गया था। चांदनी चौक की मस्जिद के पास गुरु जी का धड़ और सिर अलग-अलग पड़े थे। मुगल शासन ने गुरु जी की देह को उठाने पर प्रतिबंध लगा दिया था ताकि जनमानस में स्थायी भय डाला जा सके। लेकिन क्या मुगल सत्ता के इस अमानवीय कार्य से सचमुच आम भारतीय डर गया था या फिर गुरुजी और उनके साथियों के इस आत्मबलिदान से उनमें एक नई चेतना और ऊर्जा जागृत हुई? गुरु जी ने आनंदपुर से चलने से पहले ही अनुमान लगा लिया था कि उनके बलिदान से आम जनता में तूफान खड़ा हो जाएगा। औरंगजेब का अनुमान था कि इस भयानक मंजर से भारत के लोग और अधिक डर जाएंगे और स्वतंत्रता के प्रयास सदा के लिए समाप्त हो जाएंगे। लेकिन इस शहादत के बाद पता चला कि गुरु तेग बहादुर जी का अनुमान ही सही था। उसका कारण यही था कि दशगुरु परंपरा भारतीय चेतना व ऊर्जा का ही स्वरूप था। भारत की आत्मा को इस परंपरा से ज्यादा और कौन जानता था? घटनास्थल पर मुगल सेना का पहरा था। मौसम बहुत ही खराब होने लगा था। रात्रि का अंधकार। तूफान। बादल और बिजली की गर्जना। गुरुजी के शरीर को वहां से कैसे उठाया जाए, ताकि विधिवत उनका अंतिम संस्कार किया जा सके। मुगल शासन से इसकी गुहार लगाना निरर्थक था क्योंकि मुगल साम्राज्य तो अपने इस अमानुषिक कृत्य से भविष्य में भी भारतीय समाज को आतंकित और भयभीत करना चाहता था, ताकि आने वाले समय में भी कोई साम्राज्य के सामने सिर उठा कर न चल सके। लेकिन गुरु जी के इस आत्मबलिदान ने तो जनमानस में आग भर दी थी। शायद चिड़ियों के बाज बनने की पहली इबारत लिखी गई

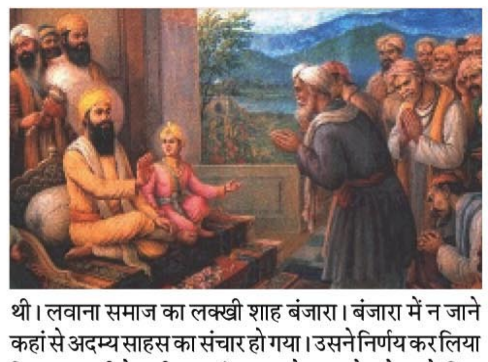

थी। लवाना समाज का लक्खी शाह बंजारा। बंजारा में न जाने कहां से अदम्य साहस का संचार हो गया। उसने निर्णय कर लिया कि वह गुरु जी के शरीर का संस्कार करेगा, चाहे उसे इसके लिए कितनी भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े। उसके तीनों पुत्र नगाहिया, हेमा और हाडी भी इस पवित्र कार्य में अपने पिता के सहयोगी बने। उसका व्यवसाय अपने छकड़ों में एक स्थान से दूसरे स्थान पर सामान पहुंचाने का था। जब छकड़े गुरु जी की शहादत से पावन हो चुकी उस जमीन पर पहुंचे तो लक्खी और उसके बेटों ने किसी तरह चौकीदारों को भुलावे में डालते हुए, अपने प्राणों की भी चिंता न करते हुए गुरु जी का धड़ उठाकर अपने एक छकड़े में रख लिया। वे सभी गुरु जी की देह को लेकर रायसीना अपने गांव में पहुंचे। लेकिन प्रश्न था कि वे इसका विधिवत संस्कार कहां करें? कहीं भी करते तो मुगल शासकों को शक हो सकता था। 'माघ सुदि पंचमी विक्रमी सम्वत 1732 की रात को उसने गुरुजी के मृत शरीर को अपने सारे सामान के साथ अपने घर में ही जला दिया।' (मोहिंदर पाल कोहली, गुरु तेग बहादुर-पृ. 40)। आकाश को छूती हुई अग्नि की लपटें उठने लगीं। गुरु जी का शरीर पंचभूतों में विलीन हो गया। ज्योति अग्नि की ज्योति में जा मिली। गांव के लोग एकत्रित हो गए। वे लक्खी के साथ, उसका घर जल जाने पर दुख जताने लगे। लेकिन लक्खी तो जानता था कि इस अग्निकुंड में एक पावन शरीर का संस्कार हुआ है, जिसके कारण उस गांव की धरती पावन हो गई है। वह तीर्थ क्षेत्र बन गई है। आज उस स्थान पर रकाबगंज गुरुद्वारा लक्खी के त्याग का साक्षी है। उधर चांदनी चौक के बलिदान स्थल पर साहस का एक दूसरा अध्याय लिखा जा रहा था। गुरु जी का शीश अभी भी वहीं पड़ा था। वहीं भीड़ में वाल्मीकि समाज के कुछ युवक बेचैन हो रहे थे। काजी को देखते ही उनका रक्त खौलने लगा था। इसी वाल्मीकि समाज के पुरखों ने महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में कभी शस्त्र और शास्त्र का गहरा अभ्यास किया था। आज वह ऋण चुकाने का अवसर आ गया था। इन वाल्मीकि युवकों में से भाई जैता ने संकल्प लिया कि वह गुरु जी के शीश को किसी भी तरह ले जाकर उनके सुपुत्र श्री गोविंद सिंह जी के पास पहुंचाएगा ताकि वे उसका विधिवत अंतिम संस्कार कर सकें। भाई जैता ने अपने साथियों ननुआ और ऊदा के साथ मिल कर इस साहसी अभियान को अंजाम दिया। उसने रात के अंधेरे में घटनास्थल से गुरु जी का शीश उठाया और घोड़े पर सवार होकर आनंदपुर की ओर चल पड़ा। कुछ देर बाद उसके दो अन्य साथी भी उसके साथ आ मिले। लेकिन तीनों अपने बीच में एक सुरक्षित अंतराल बनाए हुए थे ताकि किसी को शक न हो जाए। उधर मुगल शासन आग बबूला हो रहा था। हर जगह धरपकड़ हो रही थी। लेकिन भाई जैता और उसके साथियों ने मौत की भी परवाह न करते हुए पांच दिन बाद गुरु जी का शीश आनंदपुर में उनके बेटे गोविंद सिंह जी को सौंप दिया। 16 नवंबर 1675 को गोविंद सिंह जी ने अपने पिता के शीश का विधिवत अंतिम संस्कार किया। आजकल वहां एक गुरुद्वारा मौजूद है। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि कुछ दिनों के उपरांत लक्खी दास अपने बेटों के साथ गुरु तेग बहादुर जी की अस्थियां लेकर आनंदपुर साहिब पहुंचा। उसने गोविंद सिंह जी को गुरु जी के शरीर के संस्कार की सारी घटना बताई और उनकी अस्थियां उन्हें सौंप दीं। सभी ने मिल कर अस्थियों को विधिवत पावन सतलुज में प्रवाहित कर दिया। तिब्बत से चली हुई सतलुज गुरु जी की अस्थियों को लेकर आगे चल पड़ी। इस प्रकार भारतीय इतिहास के एक अविस्मरणीय अध्याय का पटाक्षेप हुआ। अपने धर्म यानी स्वधर्म की रक्षा करते हुए प्राणोत्सर्ग का यह अनुपम उदाहरण कहा जा सकता है। कहा भी गया है, 'स्वधर्मे निधनं श्रेष्ठ' अर्थात अपने धर्म में निधन ही श्रेष्ठ है। धर्म के बारे में कथन है, 'धर्मो रक्षति रक्षतः।' धर्म उसकी रक्षा करते हैं जो धर्म की रक्षा करते हैं। यह समाज के संदर्भ में और भी सटीक है। समाज धर्म के अनुसार चले, तभी सभी प्रकार की उन्नति होती है। जो समाज धर्म की रक्षा नहीं करता, धर्म भी उस समाज की रक्षा नहीं करता।

दृष्टि कोण

प्रदेश कैसे निकालेगा चैंपियन खिलाड़ी?

हिमाचल प्रदेश में अभी तक वह वातावरण ही नहीं बन पा रहा है जिससे हम अपने स्टार खिलाडियों का पलायन रोक सकें। जब खिलाड़ी को सुविधा नहीं मिलेगी तो उसे फिर कैसे रोका जा सकता है? कोई भी पढ़ाई या परीक्षा पहले अपने लिए फिर देश के लिए, मगर खेल केवल व केवल देश के लिए होता है। वहां जब खिलाड़ी जीतता है तो उस देश का झंडा सबसे ऊपर उठता है और उस देश की धुन पूरा विश्व आदर के साथ सुनता है। हिमाचल में ओलंपियन व एशियाई पदक विजेता मुक्केबाज आशीष चौधरी को उसका विभाग प्रशिक्षण के लिए फ्री नहीं रख रहा है। खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के लिए आठ से दस साल का लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम चाहिए। अगर हम एक सप्ताह भी खेल प्रशिक्षण में बाधा डालते हैं तो फिर हम उसे बहुत ही कठिनाई से पूरा कर पाते हैं। इसलिए केंद्र व राज्य सरकारों के विभाग अपने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों के प्रशिक्षण समय को आन ड्यूटी मानते हैं, चाहे खिलाड़ी कैंप में हो या किसी भी ट्रेनिंग सेंटर में। ऐसा प्रावधान सेवा नियमों में भी प्रेजिडेंट महोदय ने रखा है। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न विभागों के कई मुखिया पता नहीं किस पूर्वाग्रह से ग्रसित हैं जो देश के झंडे से जुड़े इस विषय में भी नकारात्मक सोच रखते हैं। जो खिलाड़ी राष्ट्रीय, एशियाई प्रतियोगिताओं में पदक जीत कर ओलंपिक तक भारत का प्रतिनिधित्व कर चुका है, अगर उसे ही अपना प्रशिक्षण जारी रखने के लिए सरकार व विभाग की मिन्नतें करनी पड़ रही है तो फिर आम खिलाड़ी का क्या होगा? हिमाचल सरकार व उसका विभाग, जहां आशीष तहसील कल्याण अधिकारी की नौकरी करता है, आगामी वर्ष में हो रहे एशियाई व राष्ट्रमंडल खेलों को देखते हुए उसे ट्रेनिंग के लिए फ्री रखा जाए, जैसा केंद्र व राज्यों के विभाग अपने अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को रखते हैं। हिमाचल में महिला कबड्डी, हैंडबाल व अन्य कई खेलों में अच्छे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। उन्हें भी प्रशिक्षण के लिए फ्री रखा जाए। हिमाचल प्रदेश में सैंकड़ों खिलाड़ी खेल आरक्षण के अंतर्गत विभिन्न विभागों में नौकरी कर रहे हैं। दर्जन भर खिलाडियों को छोड़ कर न तो कोई खेल कर रहा है और न ही प्रशिक्षण व अन्य खेल प्रबंधन से जुड़ा है। इसका प्रमुख कारण हिमाचल में खेल संस्कृति का न होना है, जो खिलाड़ी कर्मचारी को खेल करने व करवाने से रोकती है और यह राज्य में खेलों के लिए शुभ संकेत नहीं है। वैसे तो देश के केंद्रीय व राज्यों के विभिन्न विभागों में

खेल आरक्षण से नौकरी प्राप्त खिलाड़ी कर्मचारी को नौकरी के पहले पांच वर्षों तक खेल करना अनिवार्य होता है, मगर हिमाचल में इक्का-दुक्का खिलाड़ी कर्मचारियों ने ही खेल किया है। हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य के विभिन्न विभागों में खेल आरक्षण के अंतर्गत तीन प्रतिशत पदों पर भर्ती करती है। शिक्षा विभाग में अब तक सैंकड़ों प्रवक्ता, प्रशिक्षित स्नातक व अन्य पदों पर खेल आरक्षण से शिक्षक नियुक्त हैं। हिमाचल प्रदेश का हर बच्चा विद्यालय जा रहा है। वैसे तो विद्यालय में विद्यार्थियों की फिटनेस व खेलों के लिए शारीरिक शिक्षा का शिक्षक नियुक्त होता है, मगर वह हर खेल के लिए प्रशिक्षण नहीं दे सकता है। भविष्य के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने के लिए किशोरावस्था से ही सही तकनीक के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का महत्व बढ़ जाता है। अरबों की आबादी में किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का प्रारंभिक स्तर से होना बेहद अनिवार्य हो जाता है जो सही उम्र में सही तकनीक सिखा कर भविष्य में खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। हिमाचल प्रदेश में खेल प्रशिक्षण के लिए शुरू से वह वातावरण ही नहीं बन पा रहा है, जिससे बाद में प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठतम परिणाम दिला सके। हम पहले भी लिख चुके हैं कि खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतने लंबे खेल प्रशिक्षण को प्राप्त कर कुछ एक खिलाड़ी ही अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाते हैं। हिमाचल प्रदेश में विद्यालय स्तर पर शारीरिक शिक्षकों की कमी सबके सामने है।

कुछ अलग

यह नारेबाजी कर्कश है!

कुनबा संभालने की फितरत में वो विरोध को भी जोड़ लेते, इक हम अकेले थक गए इन राहों के मुसाफिर बन कर। क्या सदन की बहस थक गई या सडक़ के मुद्दे दूर तलक दिखाई देने लगे। विरोध के कक्ष में हिमाचल की भाजपा ने बता दिया कि अगले चुनाव की दूरी कितनी और उसकी तैयारी कितनी। अलबत्ता इन बाजुओं में पार्टी के अपने अंतरविरोध और नेताओं के समूह भी हैं। कुछ दिन पहले ही रमेश धवाला ने जो भाजपा अपने पक्ष में की, कम से कम उसकी बोली में जो टोली थी, वह पार्टी की हमझोली नहीं। आसान राहें होतीं तो अब तक मुकद्दर के सिकंदर बदल गए होते, लेकिन आती हुई भाजपा-जाती हुई भाजपा नहीं हो सकती, इसलिए जोश और जश्न की सियासी खुराक के कायल कार्यकर्ताओं का हुजूम बताता रहा कि इन करवटों में कोई सौदेबाजी नहीं। बहरहाल कांग्रेस में सरकार का रुतबा सदन तक तो दिखा, लेकिन अब सडक़ पर विपक्ष की शक्ति का प्रदर्शन है। इस सडक़ पर गड्ढे हैं, तो भरने के लिए भाजपा के आरोप खनन की रेत में मिट्टी मिला रहे हैं। नारेबाजी कर्कश है, तो विरोध की भाषा विराम लगाने के लिए कांग्रेस का संगठन अपने 'संगठन' की परिक्रमा में किसे बचा, किसे आजमा रहा है। अपने रास्ते माप रही भाजपा ने सदन की बहस में खुद को छुपा लिया या नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कमोबेश वही आरोप खोज लिया, जिसकी बिना पर लोकसभा अध्यक्ष के संवैधानिक आचरण पर एक दिन पहले ही राहुल गांधी ने विरोध दर्ज किया था। बहरहाल सदन से वाकआउट का कारण बड़ा था या चौड़ा मैदान पर भाजपा के विरोध में पार्टी विधायकों का शामिल होना कहीं अधिक जरूरी था। देखना यह है कि हिमाचल की पलकें सदन में किसे मंजूर करती हैं या चौड़ा मैदान भाजपा के गुस्से में खुद को कबूल करता है। जो भी हो 'कच्ची गलियों में भी भीड़ निकल आती है, गर मंजिल के निशान सफर पे निकल आएं।' बहस में बहिर्गमन या बहस में विरोध के नजारों ने गुरुवार को हिमाचल को सदन के मुकाबले चौड़ा मैदान में देखने का प्रयास किया या अब यही दस्तूर रहेगा कि लोकतंत्र केवल सत्ता के हमाम में नंगा होता रहेगा। भाजपा की रैली हम बनाम तुम की सियासत ने जो सुर छेड़े हैं, वहां पार्टियों के भीतर संगठनात्मक ताकत का फैसला होगा। कहना न होगा कि भाजपा की ओर से प्रदेशाध्यक्ष डा. राजीव बिंदल ने यह साबित कर दिया कि वह जश्न में, हर कथन में फिलवक्त कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष पर भारी हैं। चौड़ा मैदान के मुकाबले अब सत्तारूढ़ दल को अपनी चौड़ाई बतानी होगी या अध्यक्ष पद की सीट बचानी है, यह देखना बाकी है। यह राजनीति भी समय-समय के तर्कों की कहानी है। कांग्रेस पूर्व विधायक बंबर ठाकुर जिस विधानसभा परिसर में प्रेस ब्रीफिंग करके संवैधानिक मर्यादा में फंसे, उसी के पक्ष में कानून व्यवस्था की नकेल, भाजपा रैली के हाथ आ गई। नारों ने लिख डाली इक हकीकत, मगर कल जब तुम थे तो यही रेत किस छननी से बाहर निकल गई। भाजपा ने माफिया की निशानदेही में ट्रांसफर, शराब, खनन, चिट्टा, वन, भ्रष्टाचार और मित्रों तक को शामिल किया है, तो हकीकत की गलबहियों में आखिर अब सियासी सदाचार है कहां। हम तो यही देख रहे हैं कि सडक़ प्रस्तावना तब होती है, जब आसपास की सडक़ बिक जाती है। ठेकेदारी की प्रथा अब सियासत की सीढ़ी है, हर कहीं कोई कार्यकर्ता ठेकेदार निकल आता है। ठेकेदार बड़ा ठेकेदार और फिर सियासी पूंजीनिवेश से नेता और इसी के नेतृत्व में जमीन खरीदी और बेची जाती है। अतः प्रदेश में भू माफिया के पंजे राजनीति के हर पक्ष पर सवार हैं।

देश दुनीया से

उ. कोरिया का आत्मघाती ड्रोन व भारत की चिंता

गुरुवार को उत्तर कोरियाई तानाशाह किम ने भूमि और समुद्र पर लक्ष्यों को ट्रैक करने में सक्षम उन्नत टोही ड्रोन का निरीक्षण किया, साथ ही हाल ही में अनावरण किए गए एयरबोर्न अर्ली-वार्निंग (एईडब्ल्यू) विमान का भी निरीक्षण किया। उत्तर कोरिया अपने मौजूदा भूमि-आधारित रडार सिस्टम को बढ़ा रहा है। कोरियन सेन्ट्रल न्यूज़ एजेंसी (केसीएनए) द्वारा प्रकाशित तस्वीरों के अनुसार, उन्हें रडार डोम वाले एक बड़े चार इंजन वाले विमान की जांच करते देखा गया, जिसके बारे में माना जाता है कि यह एक संशोधित रूसी आईएल-76 कार्गो विमान है। परीक्षण के दौरान प्राप्त तस्वीरों में फिक्स्ड-विंग आत्मघाती ड्रोन को अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई टैंकों, बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों और मिसाइल लॉन्च वाहनों के मॉकअप पर हमला करते हुए दिखाया गया है। एक फर्स्ट-पर्सन व्यू क्वाडकॉप्टर-स्टाइल ड्रोन भी लक्ष्य पर गोला-बारूद गिराता हुआ दिखाई दिया। राज्य मीडिया ने ड्रोन की उपस्थिति को अस्पष्ट करने के लिए उन्हें पिक्सेल किया। लेकिन जिस तरह अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई टैंकों, बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों के मॉडल पर यह परीक्षण किया गया, उसने अमेरिका की परेशानी बढ़ा दी है। जून, 2023 में पहली बार उत्तर कोरिया ने सैटब्योल-4 टोही ड्रोन, और सैटब्योल-9 लड़ाकू यूएवी के डेवलप किये जाने का खुलासा किया था। उत्तर कोरिया ने साल 2024 में प्योंगयांग में आयोजित हथियार एक्सपो में उत्तर कोरिया ने छह हमलावर ड्रोन दिखाए, जो इस्राइल और तुर्की के डिजाइनों की नकल करते थे। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिन वोन-सिक ने नवंबर 2024 में कहा था कि मॉस्को ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में मदद के लिए सैनिकों को तैनात करने के बदले में प्योंगयांग को एंटी-एयर मिसाइल और अनिर्दिष्ट वायु रक्षा उपकरण प्रदान किए थे। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अनुसार, शुरू में रूस को भेजे गए 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों में से लगभग 4,000 मारे गए, या घायल हो गए। माना जाता है, कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में तैनात उत्तर कोरियाई सैनिकों ने ड्रोन युद्ध में भाग लिया था, जिससे उन्हें युद्ध के मैदान का बहुमूल्य अनुभव प्राप्त हुआ। वाणिज्यिक उपग्रह इमेजरी का उपयोग करते हुए, विश्लेषकों ने पहले बता दिया था कि उत्तर कोरिया एक रूसी निर्मित आईएल-76 कार्गो विमान को पूर्व-चेतावनी भूमिका के लिए परिवर्तित कर रहा था। उत्तर कोरियाई न्यूज़ एजेंसी 'केसीएनए' ने गुरुवार को कहा कि किम ने टोही, खुफिया जानकारी जुटाने, इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग और हमला प्रणालियों के लिए नए विकसित उपकरणों का अलग से निरीक्षण किया। तस्वीरों में फिक्स्ड-विंग यूएवी को टैंक के आकार के लक्ष्य पर निशाना साधते हुए दिखाया गया और फिर आग की लपटों में विस्फोट हो गया। परीक्षण के दौरान यूएस आरक्यू-4 ग्लोबल हॉक के टरमैक पर खड़े तानाशाह किम के जो फोटो शेयर किये गए, उससे यही सन्देश जाता है कि हमारे पास अब आत्मघाती ड्रोन है, कर लो जो करना है। उत्तर कोरिया कितना ढीठ है, उसका छोटा-सा उदाहरण 5 जनवरी, 2025 को तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन दक्षिण कोरिया यात्रा के समय देख सकते हैं, तब उसने पूर्वी सागर में मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागकर अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराई। आत्मघाती या कामिकाजे ड्रोन का विकास नया नहीं है। इस्राइल के 1982 के 'ऑपरेशन मोल क्रिकेट 19' में, ऐसे यूएवी का इस्तेमाल किया था। 1980 के दशक में, अमेरिका ने भी 'आईएआई हार्पी' और 'एजीएम -136 टैसिट रेनबो' जैसे कार्यक्रमों के ज़रिये आत्मघाती ड्रोन विकसित कर लिये थे। 2000 के दशक से, अपेक्षाकृत लंबी दूरी के हमलों के वास्ते लोइटरिंग हथियारों का विकास किया गया। रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण में 'ज़ेड.एल.ए. लैंसेट' और हेसा शहीद 136 सहित कई शहीद ड्रोन का इस्तेमाल किया गया है, जबकि यूक्रेन ने यूजे-25 स्काईलाइन और अमेरिकी निर्मित एयरोविरोनमेंट स्विचब्लेड जैसे घूमने वाले हथियारों को तैनात किया है, जिसे प्लाटून, और दूसरा बैकपैक में फिट किया जाता है। 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण शुरू होने के बाद, रूसी और यूक्रेनी दोनों सेनाएं अक्तूबर, 2023 तक हर महीने हज़ारों एफपीवी ड्रोन का उत्पादन कर रही थीं। 2022 में ब्रिटेन ने घोषणा की थी, कि वह यूक्रेन को 'सैकड़ों लोइटरिंग एम्यूनिशन' प्रदान कर रहा है। रूस द्वारा ईरान निर्मित शाहद ड्रोन का उपयोग और यूक्रेन द्वारा तुर्की के बायरकटर टीबी2 ड्रोन की सफल तैनाती ने इन तकनीकों की प्रभावशीलता को प्रदर्शित किया है। मध्य पूर्व में, इस्राइल ने सटीक हमले करने के लिए 23 किलोग्राम पेलोड ले जाने में सक्षम हारोप लोइटरिंग म्यूनिशन पर भरोसा किया है। इस बीच, रूस द्वारा बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किए जाने वाले ईरान के शाहेद-136 ड्रोन ने साबित कर दिया है कि सस्ते, बड़े पैमाने पर उत्पादित ड्रोन परिष्कृत वायु रक्षा प्रणालियों को भी मात दे सकते हैं। सबसे बड़ा सवाल है, पाकिस्तान का सैन्य साझीदार उत्तर कोरिया जिस तरह से आत्मघाती ड्रोन विकसित करने में सफल हुआ है, क्या भारत को इसकी चिंता करनी चाहिए? भारतीय सेना को हाल ही में नागपुर स्थित रक्षा निर्माण फर्म सोलर इंडस्ट्रीज द्वारा निर्मित 480 लोइटरिंग हथियार प्राप्त हुए हैं, जिनमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री है। अधिकारियों ने कहा कि यह प्रणाली उद्देश्य सेना के जवानों द्वारा सटीक हमला करने की क्षमताओं को बढ़ाती है। 2025 की शुरुआत में पाकिस्तान ने भी कम दूरी की मुठभेड़ों में सटीक हमला करने के लिए डिजाइन किया गया अपना नवीनतम ड्रोन 'ब्लेज़ 25' पेश किया है, जिसका वजन 25 किलोग्राम है। यह देखते हुए, भारत को चाहिए, कि वह अपने लोइटरिंग हथियार विकास कार्यक्रम में तेज़ी लाये!

आप का नजरीया

मानव तस्करी पर अंकुश

हरियाणा विधानसभा के मौजूदा सत्र में कई महत्वपूर्ण विधायी पहल हुई हैं, जो एक लोककल्याणकारी सरकार की प्राथमिकताएं सुनिश्चित करती हैं। इसमें किसानों को नकली इनपुट से सुरक्षा कवच देना भी सराहनीय कदम रहा है। वहीं हाल ही में सुनहरे भविष्य की आकांक्षा लेकर विदेश जाने वाले युवाओं की हितरक्षा में उठाये गए कदम निश्चय ही सराहनीय हैं। हरियाणा के मौजूदा विधानसभा सत्र में हरियाणा ट्रैवल एजेंट पंजीकरण और विनियमन विधेयक, 2025 पारित किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वक्त की सख्त जरूरत भी थी। ट्रैवल एजेंसियों के पंजीकरण को अनिवार्य करना और उल्लंघन पर सख्त दंड का प्रावधान उम्मीद जगाता है कि अब विदेश जाने वाले लोगों के साथ होने वाली धोखाधड़ी पर अंकुश लग सकेगा। इस कानून का उल्लंघन करने पर सात साल की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। निश्चित रूप से सरकार ने अपने नागरिकों को धोखे और मानव तस्करी से बचाने के लिये एक आवश्यक कदम उठाया है। लगातार होने वाले आव्रजन घोटालों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के मद्देनजर, इस कानून की लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। लेकिन जहां सख्त कानून का सही ढंग से क्रियान्वयन इस दिशा में सफलता सुनिश्चित करेगा, वहीं इसके लिये जन जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है। साथ ही प्रभावी प्रवर्तन के साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि लोग अनधिकृत एजेंटों के चक्रव्यूह में न फंसें। वास्तव में यह विधेयक एक महत्वपूर्ण कदम तो है, लेकिन इसे बेरोजगारी को दूर करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा भी होना चाहिए। यदि हम राज्य के युवाओं के लिये अपने देश में बेहतर रोजगार के अवसर पैदा कर सकें तो युवाओं को फिर अपने सपने पूरे करने के लिये विदेश जाने की जरूरत ही नहीं होगी। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति अपना घर-परिवार, अपना धार्मिक-सांस्कृतिक परिवेश छोड़कर परदेश नहीं जाना चाहता। लेकिन जब आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार के अवसर नहीं मिलते तो ही वह मजबूरी में विदेश जाने की लालसा रखता है। यह एक निर्विवाद सत्य है कि बेहतर रोजगार की स्थितियां हमारे शैक्षिक वातावरण पर भी निर्भर करती हैं। यदि हम परंपरागत शिक्षा से इतर रोजगार व कौशल विकास की शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाएं तो स्थिति बदल सकती है। इसके लिये जरूरी है कि राज्य में रोजगारपरक शिक्षा के अनुकूल वातावरण बनाया जाए। इस दिशा में गंभीर प्रयासों की सख्त जरूरत है। उम्मीद की जा रही थी कि विधानसभा सत्र में राज्य में सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिये उत्साहजनक पहल की जाएगी। इस मुद्दे को प्राथमिकताओं में शामिल करके इस बार गंभीर बहस होगी। दरअसल, हाल के दिनों में कई स्कूलों के भवनों की स्थिति व सुरक्षा आदि को लेकर अभिभावक चिंता जताते रहे हैं। हर अभिभावक चाहता है कि सरकारी स्कूलों में बेहतर साफ-सफाई, शौचालयों और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहें। दरअसल, देखने में आया है कि कई ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में छात्रों की संख्या जितनी अधिकता में है, उस अनुपात में शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं।

सेना के मुद्दों का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा : मुख्य सचिव सुधांशु

जयपुर (हिंस)। मुख्य सचिव सुधांशु पंत की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय में प्री-सीएमएलसी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में रक्षा भूमि से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि रक्षा भूमि से संबंधित लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई कर समस्या का समाधान निकालने के निर्देश दिए। पंत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सेना को हर प्रकार से सहयोग दिया जा रहा है तथा उनके मुद्दों का प्राथमिकता से उचित हल निकाला जाएगा। उन्होंने जिलों में वर्क्स ऑफ डिफेन्स एक्ट के उल्लंघन के मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए भी जिला कलक्टरों को निर्देश दिये। रक्षा भूमि पर अतिक्रमण के मामलों को गंभीर विषय बताते हुए मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन एवं सैन्य अधिकारियों को आपसी सहयोग से सीमांकन संबंधी मुद्दों को सुलझाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित जिला कलेक्टर से उनके जिले के प्रकरणों के बारे में जानकारी ली और उन्हें राजस्व विभाग के साथ बैठक कर समस्या के निराकरण के लिए निर्देशित किया। मुख्य सचिव ने कहा कि लंबित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाने की दिशा में इस बैठक को प्रत्येक तीन माह में आयोजित किया जाए। उन्होंने दक्षिण पश्चिम कमान की टुकड़ी का 26 जनवरी 2026 को आर्मी डे परेड के लिए नामांकन होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने परेड की तैयारियों के लिए सहायता का भी आश्वासन दिया। बैठक में हेडक्वार्टर साउथ वेस्टर्न कमांड के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एच.एस वान्द्रा, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, वन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा, जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार, जेडीए आयुक्त आनन्दी, अन्य विभागों के उच्च अधिकारी एवं सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिला कलेक्टर वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

राणा सांगा पर गलत बयानी का विरोध जारी, नाथद्वारा थाने में दी शिकायत

उदयपुर (हिंस)। मेवाड़ के गौरव महाराणा सांगा के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी पर कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शनों का दौर जारी है। उदयपुर में बार एसोसिएशन ने जिला कलेक्टेट पर प्रदर्शन किया और दिल्ली गेट चौराहे पर मानव श्रृंखला बनाई। बार एसोसिएशन ने सपा सांसद रामजीलाल सुमन को बर्खास्त करने की मांग की। वहीं, राजसमंद जिले के नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर पुलिस थाने में दिनेश माली नाम के व्यक्त ने शिकायत दी। माली ने शिकायत में कहा कि उत्तरप्रदेश के समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने महाराणा सांगा के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की है, जिससे मेवाड़वासियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। प्रार्थी ने सांसद के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की और कहा है कि इतिहास से छेड़छाड़ करने और मेवाड़ की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए सांसद को जडित किया जाना चाहिए। श्रीनाथजी पुलिस थाना के वृत्त निरीक्षक मोहन सिंह ने बताया कि मामले में शिकायत मिली है, जिसे उच्चाधिकारियों को ध्यान में दे दिया गया है।

राजस्थान हाईकोर्ट में चार नए न्यायाधीशों ने ली शपथ

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट के नवनियुक्त चार न्यायाधीशों ने शुक्रवार को शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव ने उन्हें शपथ दिलाई। यह शपथ ग्रहण समारोह हाईकोर्ट के झालामंड स्थित मुख्यपीठ में मुख्य न्यायाधीश कोर्ट रूम में आयोजित किया गया। सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने गत दिनों चार अधिवक्ताओं के नाम को मंजूरी दी थी, जिसके बाद केंद्र सरकार ने बुधवार को नियुक्ति वारंट जारी किए थे। नवनियुक्त न्यायाधीश आनंद शर्मा, सुनील बेनीवाल, मुकेश राजपुरोहित व संदीप शाह को मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव ने शुक्रवार सुबह पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। जयपुर पीठ में बैठे न्यायाधीश वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्य न्यायाधीश की अदालत से समारोह में जुड़े। समारोह को यूट्यूब पर भी लाइव स्ट्रीम किया गया। बता दें कि राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस के पचास पद है, जिसमें अब चार पद पर शपथ लेने के बाद हाईकोर्ट में 38 न्यायाधीश हो गए है। इसके बाद भी अब बारह पद खाली है।

राजस्थानी पोशाक में विद्यालय आएंगे शिक्षक-विद्यार्थी, नमस्ते-गुड मॉर्निंग के जगह बोलेंगे खम्माघणी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान दिवस के मौके पर राजकीय विद्यालयों में 29 मार्च को नो बैग डे के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को आदेशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है। इसके तहत राजस्थान दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को राजस्थानी भाषा एवं संस्कृति से रूबरू करवाने के लिए विद्यार्थी, शिक्षक सहित विद्यालय के अन्य कर्मचारी साफा, धोती-कुर्ता, कुर्ता- पायजामा, राजपूती पोशाक जैसी पारंपरिक पोशाक पहनकर आएंगे। इससे विद्यार्थियों को राज्य की लोक परंपराओं से जुड़ने एवं सांस्कृतिक विविधता को करीब से समझने एवं आत्मसात करने का अवसर मिलेगा। वहीं, राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थी अभिवादन में गुड मॉर्निंग या नमस्ते के स्थान पर खम्मा घणी, राम-राम सा, पधारो सा बोलेंगे। राजस्थानी भाषा में भाषण, कविता प्रतियोगिता सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन होगा, राजस्थानी शब्दों, मुहावरों और लोकोक्तियों से परिचय करवाया जाएगा

एसजीपीसी का 1386 करोड़ का सालाना बजट पेश

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की वार्षिक बजट बैठक में शुक्रवार को 1386.47 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी गई है। यह बजट राशि पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 125.5 करोड़ रुपए अधिक है। इस दौरान बैठक स्थल के बाहर दमदमी टकसाल के प्रमुख बाबा हरनाम सिंह धूम्मा के नेतृत्व निहंग संगठनों ने प्रदर्शन किया। शुक्रवार को अमृतसर स्थित एसजीपीसी मुख्यालय पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक के बाद एसजीपीसी अध्यक्ष धामी ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1,386.47 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत किया है, जो पिछले वर्ष 2024-25 के 1,260.97 करोड़ रुपए के बजट की तुलना में लगभग 125.5 करोड़ रुपए अधिक है। उन्होंने बताया कि धार्मिक प्रचार के लिए 110 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिसमें अमृत संचार, मुफ्त गुरमत साहित्य वितरण, गुरमत स्कूल, सिख मिशनरी कॉलेज, धार्मिक प्रचार अभियान, गुरमत शिविर और सिख मिशन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों के लिए 55.80 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं, जिसमें स्टाफ वेतन, बुनियादी ढांचे का विकास, आवश्यक उपकरण और खेल गतिविधियां शामिल हैं। बाबा बुड्ढा जी चैरिटेबल अस्पताल के लिए 5.50 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिसमें स्टाफ वेतन, प्रयोगशाला खर्च, बिजली बिल और आवश्यक आपूर्ति शामिल हैं। खेल विभाग के लिए 3.09 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिसमें खिलाड़ियों के वेतन, स्कूल फीस, पोषण, यात्रा व्यय और खेल मैदानों के रख-रखाव शामिल हैं। सामाजिक सेवा संगठनों को सहायता और धार्मिक शिक्षा के लिए 3.20 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

सड़कों पर नमाज का आयोजन सरकार की अनुमति पर निर्भर करता है : मौलाना सफदर हुसैन जैदी

जौनपुर (हिंस)। मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने सड़क पर जुमे की अलविदा नमाज को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया है। शुक्रवार को हिंदुस्थान समाचार प्रतिनिधि से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सड़कों पर नमाज का आयोजन सरकार की अनुमति पर निर्भर करता है। मौलाना जैदी ने स्पष्ट किया कि जब सरकार अनुमति देती है, तभी सड़कों पर नमाज होती है। सरकार अपनी आवश्यकता और व्यवस्था के अनुसार निर्णय लेती है। उन्होंने कहा कि सरकार और नमाजी दोनों समझदार हैं। धर्मगुरु ने यह भी कहा कि नमाज का उद्देश्य किसी के मार्ग में बाधा उत्पन्न करना नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर नमाज किसी को परेशान करने के लिए पढ़ी जाए, तो वह उचित नहीं है। मौलाना ने समुदाय से अपील की है कि सरकार के निर्देशों का पालन करना चाहिए। मैं सरकार से गुजारिश करता हूं कि हम लोगों को कहीं एक बड़ी जमीन दे जहां बड़ी संख्या में नमाज अदा कर सके जिससे अवाम को कोई दिक्कत न आए।

दूसरे राज्यों में शिफ्ट हो सकेंगे पंजाब की जेलों में बंद कैदी

चंडीगढ़ (हिंस)। अब पंजाब की जेलों में बंद कैदियों को दूसरे राज्यों में भेजा जा सकेगा। पंजाब के जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर के शुक्रवार को विधानसभा में पेश किया गया *द ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स (पंजाब संशोधन विधेयक 2025)* विधेयक सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने कहा कि पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है, जो कई प्रकार की गंभीर आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब की विभिन्न जेलों में राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल अपराधी, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से जुड़े आतंकी, ए श्रेणी के गैंगस्टर, तस्कर और खतरनाक अपराधी बंद हैं, जो जेल के अंदर से ही अपने आपराधिक नेटवर्क संचालित करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि कैदियों के ट्रांसफर एक्ट, 1950 में यह संशोधन करना आवश्यक हो गया था, ताकि मुकदमे का सामना कर रहे कैदियों को एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने की व्यवस्था की जा सके। जेल मंत्री ने बताया कि कैदियों के ट्रांसफर एक्ट, 1950 में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिसके तहत पंजाब की जेलों में बंद मुकदमे वाले कैदियों को अन्य राज्यों में भेजा जा सके। उन्होंने आगे कहा कि कानून-व्यवस्था और राज्य की सुरक्षा को लेकर उत्पन्न होने वाले खतरे को देखते हुए और जेल प्रणाली को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए यह संशोधन आवश्यक हो गया था। उन्होंने कहा कि यह विधेयक मुकदमे वाले कैदियों को राज्य से अन्य राज्यों में भेजने की कानूनी मंजूरी देने के उद्देश्य से लाया गया है।

हिंदू शौर्य रैली तीस मार्च को : रैली में राम दरबार की झांकी रहेगी आकर्षण का केंद्र

जयपुर (हिंस)। अखिल भारतीय सर्व समाज सनातन समिति राजस्थान की ओर से नव संवत्सर 2082 के उपलक्ष्य में हिंदू शौर्य रैली का आयोजन करने जा रही है। यह वाहन रैली चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 30 मार्च 2025 को सायं 4 बजे सांगानेर स्थित सांगा बाबा मंदिर से प्रस्थान करते हुए रीको पुलिया, मध्यम मार्ग मानसरोवर, गुर्जर की थड़ी, रिद्धि सिद्धि चौराहा, गोपालपुरा मोड पुलिया, रामबाग सर्किल, जेडीए सर्किल होती हुई मोती डूंगरी गणेश मंदिर तक जाएगी। पार्षद गिर्राज महाराज ने बताया कि मोती डूंगरी गणेश मंदिर पर रैली का समापन होगा। जहां मंदिर महंत कैलाश शर्मा व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। मीडिया संयोजक मुकेश भारद्वाज ने बताया कि रैली का उद्देश्य वर्तमान परिदृश्य में भारतीय संस्कृति से विमुख हो रहे युवाओं के मन में समृद्ध भारतीय सनातन संस्कृति से परिचय और इसके प्रति जागरूकता और रुझान बढ़ाना है। कमलेश टांक एवं विवेक गोयल ने बताया कि इस रैली में लगभग एक हजार केसरिया ध्वज लगे दुपहिया वाहनों पर युवा-प्रौढ़ एवं महिला कार्यकर्ता केसरिया पगडी पहनकर अलग-अलग वार्डों से निकलकर कर सांगानेर स्थित सांगा बाबा मंदिर पर एकत्रित होकर एक रैली के रूप में निकल कर कर कैम्प कार्यालय एसएफएस पर एकत्रित कार्यकर्ताओं को रैली में समायोजित करते हुए मध्यम मार्ग से होते हुए निकलेंगे। रैली में राम दरबार की झांकी भी रहेगी। जिसका स्वागत समाज के लोगों द्वारा भिन्न भिन्न स्थानों पर किया जाएगा। प्रकाश दास महाराज ने हिंदू समाज के युवाओं को जागृत कर सनातन संस्कार से परिचित कराने के लिए इस रैली की महता को बताया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकीलों ने चार सूत्रीय मांगों को लेकर आज भी किया कार्य बहिष्कार

रात 9 बजे बार अध्यक्ष के आवास पर होगी कार्यकारिणी की मीटिंग

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकीलों ने अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर चौथे दिन शुक्रवार को भी कार्य बहिष्कार जारी रखा। इसके चलते अदालतों में कोई न्यायिक कार्य नहीं हुआ। सुबह चीफ जस्टिस की बेंच समेत अन्य न्यायाधीश अदालतों में बैठे परन्तु वकीलों के कार्य बहिष्कार के चलते सभी जज कोर्ट से उठकर अपने-अपने चैंबर्स में चले गए। वकीलों के कार्य बहिष्कार के चलते प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए वादकारियों को वापस लौटना पड़ा। बार एसोसिएशन ने आज जारी विज्ञप्ति में कहा है कि रात 9 बजे हाईकोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष अनिल तिवारी के आवास पर एक मीटिंग बार एसोसिएशन के कार्यकारिणी की बुलाई गई है। इसमें आगे आंदोलन को लेकर कुछ बड़ा निर्णय लिया जाएगा। केंद्र सरकार ने कैश कांड को लेकर विवादों में फंसे दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के इलाहाबाद हाईकोर्ट में तबादला की सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश को आज मंजूरी दे दी है। अब जस्टिस वर्मा कभी भी इलाहाबाद हाईकोर्ट में आकर शपथ ग्रहण करेंगे और यहां के जज बन जाएंगे। जस्टिस वर्मा के साथ ही केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट के एक अन्य जज जस्टिस सीडी सिंह के तबादले का भी सुप्रीम कोर्ट की पूर्व से लंबित सिफारिश पर मंजूरी दे दी है। अब दिल्ली हाईकोर्ट से दोनों जज इलाहाबाद हाईकोर्ट में जज होंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने अपनी जारी विज्ञप्ति में प्रस्ताव पारित कर जिन चार सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन किया है, उनमें सबसे पहली मांग है कि कैश कांड में विवादित जज जस्टिस यशवंत वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट में तबादला की सिफारिश वापस ली जाय। दूसरी मांग है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में जजों के लड़के और उनके रिश्तेदारों की प्रैक्टिस में आने पर ऐसे जजों का तबादला कहीं अन्यत्र किया जाय। तीसरी मांग है कि हाईकोर्ट में केसों के लिस्टिंग की समस्या दूर की जाए तथा चौथी मांग है कि जो मुकदमे पहले दाखिल हों, उनकी सुनवाई पहले की जाए। बहरहाल, कैश कांड में फंसे दिल्ली हाईकोर्ट जज यशवंत वर्मा के यहां के वकीलों के विरोध के बावजूद इलाहाबाद हाईकोर्ट में तबादले की सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश को केंद्र सरकार ने स्वीकार कर आज अधिसूचना जारी कर दी है। इसे लेकर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के आवास पर शाम को बार एसोसिएशन के कार्यकारिणी की मीटिंग बुलाई गई है जिसमें आगे आंदोलन को लेकर निर्णय लिए जाने की उम्मीद है।

समाज के निर्माण से ही राष्ट्र का निर्माण होगा : राज्यपाल

अयोध्या (हिंस)। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों पर 3 से 6 वर्ष के बच्चों हेतु 250 प्री स्कूल किट्स, 338 आंगनबाड़ी केंद्रों हेतु गैस कनेक्शन वितरण एवं इतने ही खाना बनाने हेतु बर्तनों का सेट का वितरण तथा नवनियुक्त 144 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरण शुक्रवार को डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह किया। राज्यपाल ने कहा कि संत रमेश भाई ओझा ऐसे संत हैं जो शिक्षा क्षेत्र के साथ सालों से जुड़े हुए हैं और शिक्षा में भी सबसे ज्यादा बच्चियों को शिक्षित करने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अटल आवासीय शिक्षा का भी अपनी कथाओं के माध्यम से प्रचार प्रसार कर बेटियों की शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे है। पूज्य संत के द्वारा अपनी कथाओं में ज्यादातर बात शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा आदि के विषयों में आम जनमानस को जागरूक किया करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में आंगनबाड़ी के बच्चों द्वारा जो मनमोहक व सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया है, ऐसे बच्चों को तैयार करना बहुत ही कठिन होता है तथा अवध विश्वविद्यालय की छात्रा सृजनिका मिश्रा द्वारा विकसित भारत की संकल्पना तथा छात्र अभिषेक श्रीवास्तव द्वारा लौह पुरूष सरदार पटेल एवं राष्ट्रीय एकता पर की गयी प्रस्तुति की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी शैक्षिक संस्थानों में छात्र-छात्राओं को इसी प्रकार तैयार करना चाहिए कि उनको ज्ञान के साथ साथ सामाजिक तौर तरीके प्रस्तुतीकरण आदि का भी विकास किया जाय। तभी हमारे प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का विकसित भारत का सपना साकार किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सभी व्यक्तियों को भेदभाव के परिप्रेक्ष्य से ऊपर उठकर बेटा व बेटियों को विकसित बनाना होगा। क्योंकि जब युवा पीढ़ी विकसित होंगी, पढ़ी लिखी होंगी, संस्कारी होंगी, हमारी परम्पराओं को अच्छी तरह से जानती होंगी कि इसके पीछे लक्ष्य क्या है। उन्होंने कहा कि समाज के निर्माण से ही राष्ट्र का निर्माण होगा और विकसित भारत का सपना साकार होगा। राज्यपाल ने जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि जनपद अयोध्या के आंगनबाड़ी केंद्रों का कायाकल्प कराते हुए बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए जो प्रयास किए गये हैं वही प्रयास प्रदेश के सभी जनपदों में कराकर पूरे प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों को बेहतर बनाया जायेगा। इसके साथ ही अयोध्या के आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों यथा-रेलवे स्टेशन, बाजार, पुलिस स्टेशन आदि का भ्रमण कार्यक्रम तथा आंगनबाड़ी केंद्रों पर तैनात आंगनबाड़ी कार्यकत्री की परीक्षा व ट्रेनिंग के साथ साथ उनके स्वास्थ्य के विषयों पर भी कार्य किया जा रहा है, वह भी प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को 08 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश के जनपदों में तीन दिवसीय समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मेरे द्वारा विभिन्न जनपदों में प्रतिभाग किया गया और देखा गया कि प्रदेश सरकार द्वारा गरीब व आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के विकास के लिए संचालित योजनाओं के साथ साथ महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे है और विकसित भारत का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी भारत के ग्रामीण इलाकों में नन्हें मुन्हों बच्चों व गर्भवती महिलाओं की देखभाल के लिए बना मंच है।

सिंधी समाज की 501 महिलाओं की विशाल कलश यात्रा निकली

जयपुर (हिंस)। श्री गोविंद जी मंदिर प्रांगण से सिंधी समाज की महिलाओं की कलश यात्रा निकली। चेटीचंड सिंधी मेला समिति के द्वारा आयोजित इस कलश शोभायात्रा में 501 महिलाओं ने भाग लिया। कलश यात्रा प्रमुख निशा ठारवानी ने बताया कि सिंधु जल और प्रयागराज से आए त्रिवेणी संगम जल पूरित कलश सर पर धारण कर मंगल गीत गाती चल रही थीं। प्रवक्ता तुलसी संगतानी ने बताया कि विद्वान ब्राह्मणों द्वारा कलश यात्रा के आरंभ होने से पूर्व कलशों का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया। कलश यात्रा की अगुवाई गजराज कर रहे थे, पीछे सजे धजे ऊंट, घोड़े चल रहे थे। सबसे अंत में झांकी में भगवान झूलेलाल बग्गी में विराजमान थे। अध्यक्ष दिलीप हरदासानी और महासचिव दिलीप पारवानी और विशिष्ट अतिथि बी पी जैन ने कलश यात्रा को रवाना किया। कलश यात्रा चांदी की टकसाल काले हनुमान जी का मंदिर होते हुए कंवर नगर स्थित श्री झूलेलाल मंदिर पहुंची। जहां धर्म सभा में परिवर्तित हो गई, संध्या काल में भगवान झूलेलाल की घंटे घड़ियाल बजाकर महाआरती हुई। महाआरती में पूज्य सिंधी पंचायत कंवर नगर के मुखी थांवर दास रामरख्यानी सहित साधु राम तोतलानी, रूपचंद दौलतानी, कमल आसवानी, हेमंत ठारवानी, दीपक दुलानी, दिलीप भूरानी, कुंदन बसंतानी, हितेश आडवाणी, छबल दास नवलानी, मोहन नानकानी, डीडी लधानी,गोबिंद रामनानी,देव सागर, पुरूषोतम गुलवानी, सहित मातृ शक्ति की मीना मूलचंदानी,कशिश आडवाणी,ज्योति छतवानी,ज्योति बागवानी सहित अन्य समाज बंधु सम्मिलित हुए। शनिवार को सांस्कृतिक संध्या सहित कई आयोजन होंगे। शनिवार 29 मार्च को वरुण पथ मानसरोवर से दोपहर 2 बजे विशाल शोभायात्रा निकलेगी। संयोजक शंकर दुलानी, प्रदीप चेलानी ने बताया कि बैंड, लवाजमे और कई झांकियों के साथ भगवान झूलेलाल मानसरोवर में भ्रमण करेंगे। शाम को 6 बजे दादी का फाटक झूलेलाल मंदिर में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा । संयोजक अशोक वासवानी और राजेश आहूजा ने बताया कि कार्यक्रम में सिंधी संगीत की सरिता बहेगी। मुख्य शोभायात्रा रविवार को रविवार 30 मार्च को चौगान स्टेडियम में ज्योति प्रज्वलन होगा। पूज्य सिंधी पंचायत के संरक्षक नंदलाल लालवानी ने बताया कि श्री अमरपुरा के संत मोनू राम जी महाराज ज्योति प्रज्वलित कर मुख्य शोभा यात्रा को रवाना करेंगे। अध्यक्ष हेमन दास मंगतानीने बताया कि सिंधी भाषा के लिए सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले को सिंधी सपूत की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। सागर लालवानी सिंधी गीत पेश करेंगे ।

बिहार में सहकारी समितियों को मिलेगी मजबूती : प्रेम कुमार

पटना (हिंस)। बिहार सरकार में कृषि मंत्री प्रेम कुमार ने आज यहां पत्रकार वार्ता में कहा कि बिहार सरकार सहकारिता और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए बड़े पैमाने पर कई योजनाओं पर काम कर रही है। मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि इस दिशा में मक्का, दलहन और तिलहन फसलों को प्राथमिक कृषि साख समितियों पैक्स से जोड़ने की योजना बनाई गई है, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही 100 नए किसान उत्पादक संगठन एफपीओ बनाए जा रहे हैं, जो किसानों को संगठित कर उनकी आय बढ़ाने में मदद करेंगे। विदेशों तक बिहार की सब्जियों की पहुंच बढ़ाने के लिए एक विशेष मोबाइल ऐप विकसित किया जा रहा है। इससे किसानों को सीधे अंतर्राष्ट्रीय बाजार से जोड़कर उनकी आमदनी बढ़ाई जाएगी। मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 29-30 मार्च को बापू सभागार में सहकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर बैंक मित्र समितियों को माइक्रो एटीएम वितरित किए जाएंगे। साथ ही दरभंगा में मखाना प्रोसेसिंग सेंटर का उद्घाटन होगा, जिससे मखाना उत्पादकों को बेहतर बाजार मिलेगा। मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि इसके अलावे 11 नए गोदामों का लोकार्पण किया जाएगा, जिससे कृषि उत्पादों के भंडारण की सुविधा बढ़ेगी। 500 पैक्स को ई-पैक्स घोषित कर उन्हें प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। दो पैक्सों में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के तहत गोदाम निर्माण का शिलान्यास होगा। बिहार सरकार की इन योजनाओं से किसानों, महिलाओं और सहकारी समितियों को व्यापक लाभ मिलेगा। इन प्रयासों से बिहार का सहकारिता क्षेत्र मजबूत होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार होगा।

महंगा हुआ सोना, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में लगातार दूसरे दिन मजबूती नजर आ रही है। हालांकि चांदी के भाव में 200 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। सोना 400 रुपये से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये से लेकर 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये से लेकर 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,01,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

टेलीकॉम कंपनियों ने 'सोर्स कोड' शेयर करने की शर्त का किया विरोध, भारत सरकार से नियमों में राहत की मांग

नई दिल्ली। स्थानीय और वैश्विक दूरसंचार उपकरण विनिर्माताओं के बीच एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठा है जहां सरकार ने सोर्स कोड की उपलब्धि को विवादित बना दिया है। भारत में संवेदनशील बुनियादी सोर्स कोड के आधार पर सॉफ्टवेयर की जांच का फैसला किया गया है, जो सरकार द्वारा लागू किए गए नियमों के खिलाफ है। यह नियम कंपनियों को 31 दिसंबर, 2025 तक का समय देते हैं अपने सोर्स कोड उपलब्ध करने के लिए। यूरोपीय संघ (ईयू) के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस मुद्दे पर भारत सरकार के साथ चिंता जाहिर की है और उन्होंने इसे मामला के रूप में उठाया है। संचार सुरक्षा प्रमाणन योजना के तहत सॉफ्टवेयर के सोर्स कोड की जांच को लेकर उन्होंने भारत सरकार के साथ बातचीत की है। इस उद्घोषणा के बाद वैश्विक दूरसंचार उपकरण कंपनियां अपने नीयमों का पालन करने के लिए तैयार हैं, जो कि उनके आईपीआर को सुरक्षित रखेगा। नेशनल सेंटर फॉर कम्युनिकेशन सिक्योरिटी (एनसीसीएस) ने भी एक अस्थायी राहत दी थी, मगर सरकार ने इसको 31 दिसंबर, 2025 तक ही फिर से पुनर्विचार किया है।

ट्रंप के कार टैरिफ से वैश्विक बाजार में हलचल, कंपनियों के शेयर धड़ाम, कनाडा देगा जवाब

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आयातित कारों और पुर्जों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा से वैश्विक कार उद्योग में हलचल है। इससे कल एशिया, यूरोप और अमेरिका के बाजार डगमगा गए। कई वाहन निर्माता कंपनियों के शेयरों की कीमतें गिर गईं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, ट्रंप की घोषणा के बाद यूरोपीय संघ और कनाडा जवाबी कार्रवाई के लिए एक साथ आ गए हैं। जवाबी उपायों की चर्चा ने दुनिया भर में व्यापार युद्ध की संभावना को बढ़ा दिया है।अमेरिका को निर्यात की जाने वाली सभी कारों और कुछ ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ तीन अप्रैल से लागू होने वाले हैं। कनाडा के साथ-साथ मेक्सिको, जापान और दक्षिण कोरिया का अमेरिका के वाहन आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा हैं। जर्मनी के नेता रॉबर्ट हेबेक ने कहा कि महत्वपूर्ण है कि अब यूरोपीय संघ को टैरिफ पर निर्णायक प्रतिक्रिया देनी चाहिए। कनाडा ने कहा है कि वह अगले सप्ताह टैरिफ की घोषणा कर इसका जवाब देगा। सीएनएन की खबर के अनुसार, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों पर कैबिनेट की बैठक में चर्चा की। इसके बाद ओटावा में संवाददाताओं से कहा कि उन्हें दोनों देशों के बीच संबंधों में बदलाव आने का पूर्वानुमान है। उन्होंने कहा कि अब कनाडा को अमेरिका पर अपनी निर्भरता को काफी हद तक कम करना होगा। कनाडाई नेता ने कहा कि अमेरिका अब उसका विश्वसनीय भागीदार नहीं है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह के बदले हुए परिदृश्य से जूझना होगा।

जीएक्स ग्रुप ने किया पिंग कम्युनिकेशन का अधिग्रहण

नई दिल्ली। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी जीएक्स ग्रुप ने स्विट्जरलैंड की ब्रॉडबैंड व फाइबर समाधान प्रदाता पिंग कम्युनिकेशन का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने बताया कि इसके जरिए वह यूरोप, पश्चिम एशिया और लैटिन अमेरिका में अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है। जीएक्स ग्रुप के एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने बयान में कहा कि कंपनी पिंग कम्युनिकेशन के मौजूदा खंड को पूरक बनाने के लिए अपने 'मेड इन इंडिया' उत्पादों का लाभ उठाएगी। इस तरह लैटिन अमेरिका क्षेत्र में अगले दो वर्षों में राजस्व को पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाएगी। कंपनी ने हालांकि लेनदेन के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि छह महीने बाद, पिंग कम्युनिकेशन जीएक्स ग्रुप का हिस्सा बन जाएगा। पिंग कम्युनिकेशन का वर्तमान राजस्व करीब तीन करोड़ अमेरिकी डॉलर है। अपने 'मेड इन इंडिया' उत्पादों के साथ इसके खंड को पूरक बनाकर हम 2026 तक अपने राजस्व को पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने की उम्मीद करते हैं। पिंग कम्युनिकेशन नॉर्वे के हेमगार्ड समूह का हिस्सा है। जीएक्स ग्रुप को पहले जेनेक्सिस के नाम से पहचाना जाता था। इसका परिचालन 2002 में शुरू हुआ और 2013 तक समूचे भारत में अपना कारोबार फैलाया, जब इसने स्वीडन से एरिक्सन का अधिग्रहण किया था।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी गिरावट का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी गिरावट का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में ऑटो सेक्टर के शेयरों ने जोरदार दबाव की स्थिति बना दी, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,693.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.53 प्रतिशत टूट कर 17,804.03 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,381.16 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान गिरावट का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,666.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,990.11 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 160.29 अंक यानी 0.71 प्रतिशत टूट कर 22,678.74 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

एशियाई बाजार में भी गिरावट का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। इंडोनेशिया के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं है। एशियाई बाजारों में से इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स फिलहाल 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,988.39 अंक के स्तर पर पहुंचकर कारोबार करता नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 127 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,634 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 229.83 अंक यानी 0.97 प्रतिशत टूट कर 23,348.97 अंक के स्तर तक पहुंच गया है। निक्केई इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 868.02 अंक यानी 2.30 प्रतिशत लुढ़क कर 36,931.95 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.86 प्रतिशत फिसल कर 2,558.63 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 388.10 अंक यानी 1.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 21,563.66 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,349.68 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.41 प्रतिशत लुढ़क कर 1,183.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

एनएसई ने साप्ताहिक अनुबंध के समाप्ति दिन को बदलने पर लगाई रोक

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने बाजार नियामक सेबी के परामर्श पत्र के बाद सभी सूचकांक और शेयर वायदा-विकल्प की समाप्ति तिथि को गुरुवार से सोमवार करने की अपनी योजना को फिलहाल टाल दिया है। यह बदलाव चार अप्रैल 2025 से प्रभावी होना था। एनएसई ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि निफ्टी साप्ताहिक अनुबंध जो वर्तमान में गुरुवार को समाप्त हो रहे हैं, उन्हें सोमवार को स्थानांतरित कर दिया जाएगा। इसके अलावा निफ्टी मासिक, त्रैमासिक और अर्ध-वार्षिक अनुबंधों की समाप्ति को समाप्ति माह के अंतिम गुरुवार से बदलकर अंतिम सोमवार किया जाएगा। हालांकि, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के परामर्श पत्र के मद्देनजर, एनएसई ने इस बदलाव के क्रियान्वयन को अगली सूचना तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। एनएसई ने गुरुवार देर रात जारी परिपत्र में कहा कि सदस्य इस बात पर गौर करें कि 27 मार्च 2025 को सेबी परामर्श पत्र के मद्देनजर शेयर वायदा विकल्प (इक्विटी डेरिवेटिव) के लिए अंतिम निपटान दिवस (समाप्ति दिवस) में बदलाव संबंधी परिपत्र का क्रियान्वयन अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है।

ओएनजीसी एनटीपीसी ग्रीन ने अयाना का अधिग्रहण किया पूरा

नई दिल्ली

ओएनजीसी एनटीपीसी ग्रीन प्राइवेट लिमिटेड (ओएनजीपीएल) ने 6,248.50 करोड़ रुपये में अयाना रिन्यूएबल पावर में 100 प्रतिशत शेयर हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। ओएनजीपीएल एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) और ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड का 50:50 संयुक्त उद्यम है। एनजीईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि यह अधिग्रहण 23.22 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 6,248.50 करोड़ रुपये की नकदी में पूरा हुआ। एनजीईएल ने कुल अधिग्रहण लागत में 50 प्रतिशत यानी 3,124.25 करोड़ रुपये का योगदान दिया। अयाना एक अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा मंच है। इस अधिग्रहण के माध्यम से एनजीईएल का लक्ष्य 2032 तक 60 गीगावाट नवीकरणीय क्षमता के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी क्षमता का विस्तार करना है।

रिजर्व बैंक अप्रैल में रेपो दर में कर सकता है 0.25 प्रतिशत की कटौती: इंडिया रेटिंग्स

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति, अर्थिक वृद्धि को गति देने का इरादा रखती है, इसके तहत अगले महीने की समीक्षा बैठक में प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की कटौती किए जाने की संभावना है। इसका सुझाव देने वाली और शोध एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने इसे जारी किया है। इंडिया रेटिंग्स के एक मुख्य ने बताया कि उनकी उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 में सकल मुद्रास्फीति में 4.7 प्रतिशत की घटाव होगी। उन्होंने इसके साथ अगले वर्ष में मौद्रिक नीति में कुल मिलाकर 0.75 प्रतिशत तक की कटौती की संभावना भी जताई। रेटिंग एजेंसी ने उम्मीद जताई है कि अप्रैल, 2025 को होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती का विकल्प चयन किया जा सकता है। इससे पहले आरबीआई ने लंबे समय तक प्रमुख नीतिगत दर में कोई बदलाव नहीं किया था, लेकिन अब यह संभावना है कि रेपो दर में कटौती हो सकती है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने गुरुग्राम में 90 फ्लैट बेचे

मांग में मंदी के बावजूदरियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने गुरुग्राम में अपनी नई लक्जरी आवास परियोजना के पेशकश के दिन करीब 90 फ्लैट 1,000 करोड़ रुपये से अधिक में बेचे हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि गोल्फ कोर्स रोड स्थित गोदरेज एस्ट्रा परियोजना के पेशकश के दिन करीब 90 फ्लैट बिके। यह परियोजना 2.76 एकड़ में फैली हुई है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक ने कहा कि गुरुग्राम गोदरेज प्रॉपर्टीज के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण बाजार है। हम आने वाले वर्षों में वहां अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने की उम्मीद करते है।

अडानी ने किया महान ट्रांसमिशन का अधिग्रहण

अडानी पावर की आगामी 1,600 मेगावाट की बिजली को राज्य ग्रिड में जोड़ा जाएगा

नई दिल्ली

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस ने महान ट्रांसमिशन के अधिग्रहण के लिए स्पेशल यूनिट के साथ समझौता किया है। 26 मार्च, 2025 को एमटीएल के 100 फीसदी शेयरों का अधिग्रहण 10 रुपये प्रति शेयर पर नकद में किया गया। एमटीएल की कुल अधिकृत शेयर पूंजी पांच लाख रुपये है।

एमटीएल का गठन भारत में हुआ है और इसे पंजीकृत कंपनी के साथ पंजीकृत किया गया था। एमटीएल की विस्तार इकाइयों से अडानी पावर की आगामी 1,600 मेगावाट की बिजली को राज्य ग्रिड में जोड़ा जाएगा। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का बीएसई 200 इंडेक्स में हिस्सा होने के साथ इसके शेयरों में पिछले कुछ सालों में तेजी दर बढ़ी है। डिसंबर तिमाही में करीब 80 फीसदी की बढ़ोतरी दिखाते हुए कंपनी की आर्थिक स्थिति मजबूत है। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस की मार्केट कैप 1,04,974.08 करोड़ रुपये है। बता दें कि अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ करीब 80 प्रतिशत बढ़कर 625.30 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे दिसंबर तिमाही में 348.25 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ। दिसंबर तिमाही के दौरान कुल आय बढ़कर 6,000.39 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,824.42 करोड़ रुपये थी।

भारत का एक्सप्रेस पार्सल बाजार 2029-30 तक 24-29 अरब शिपमेंट होगा: रिपोर्ट

मुंबई

भारत के 'एक्सप्रेस पार्सल' बाजार तेजी से बढ़कर वित्त वर्ष 2029-30 तक यह 24-29 अरब शिपमेंट तक पहुंचने की संभावना है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसकी प्रमुख वजह ई-कॉमर्स क्षेत्र का विस्तार, 'हाइपरलोकल' और त्वरित वाणिज्य खंड में बढ़ोतरी है। रिपोर्ट में कहा गया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पार्सल बाजार के 10-11 अरब शिपमेंट तक पहुंचने का अनुमान है। ई-कॉमर्स खंड की एक्सप्रेस पार्सल बाजार में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है, जिससे चालू वित्त वर्ष में करीब 4.8-5.5 अरब शिपमेंट होने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत का एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स बाजार एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है, जो डिजिटल अपनाने में वृद्धि और उपभोक्ताओं द्वारा ई-कॉमर्स के साथ अधिक सहज होने से प्रेरित है। पारंपरिक कूरियर चालू वित्त वर्ष में एक्सप्रेस पार्सल बाजार का करीब 17 प्रतिशत हिस्सा होगा और उसके वित्त वर्ष 2029-30 तक करीब सात प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने का अनुमान है। इसके साथ ही, ई-कॉमर्स शिपमेंट जो वित्त वर्ष 2024-25 में 4.8-5.5 अरब शिपमेंट के लिए जिम्मेदार होगा और वित्त वर्ष 2029-30 तक 15-16 अरब शिपमेंट तक पहुंच सकता है।

डिजिटल बैंकिंग के दौर में अप्रैल से होंगे नियमों में कई बदलाव, एटीएम से पैसे निकालना होगा महंगा, बैंक चेक पर भी भारी चार्ज देना होगा

नई दिल्ली। अप्रैल से लेकर एक मई तक बैंकिंग सेक्टर में कई महत्वपूर्ण बदलाव होने वाले हैं, जिन पर विवेचना की जरूरत है। एक मई से बैंक एटीएम से पैसे निकालने पर चार्ज लगाना नए नियमों में शामिल है। इसके अलावा बैंक चेक पर भी भारी चार्ज देना होगा। आने वाले दिनों में बैंक सेवाओं में मिनिमम बैलेंस, चेक, और फ्रॉड सुरक्षा के मामले में कई और बदलाव होने वाले हैं। अब 50,000 रुपए से अधिक के चेक के मामले में बैंक क्रेता को अधिक सतर्क रहना होगा। इसके साथ ही, यूपीआई कोड की मान्यता अब मोबाइल नंबर की क्विटिटी पर भी निर्भर होगी। अन्य सेवाओं में भी बदलाव की बातें हो रही हैं। अब क्रेडिट कार्ड को लेकर भी सीमाएं लगाई जा रही है, और बैलेंस के अनुसार ब्याज दरें मिलेंगी। यह सभी बदलाव उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इससे वित्तीय तंगी से बचने में मदद मिल सकती है। इस समस्याओं और अवसरों से भरी बैंकिंग सेक्टर के साथ, आने वाले कुछ महीनों में उपभोक्ताओं को सक्षमन और सावधानी बरतने की आवश्यकता होगी। यह बाकी रहते हुए अगले समाचार में सुरक्षित रहने के लिए महत्वपूर्ण है।

मुंबई सिटी के कोच पेट्र क्राटकी ने प्लेऑफ मुकाबले से पहले टीम को दिया जीत का मंत्र

मुंबई

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के प्लेऑफ मुकाबले में मुंबई सिटी एफसी को बेंगलुरु एफसी के खिलाफ कांतिरावा स्टेडियम में करो या मरो की स्थिति में उतरना होगा। इस अहम मुकाबले से पहले टीम के हेड कोच पेट्र क्राटकी और स्टार फॉरवर्ड निकोलास करेलिस ने टीम की तैयारियों और मानसिकता को लेकर अपना आत्मविश्वास जाहिर किया।

मुंबई सिटी एफसी हाल ही में इसी मैदान पर बेंगलुरु एफसी को 2-0 से हराकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी है, जिससे टीम के हौसले बुलंद हैं। हालांकि, कोच क्राटकी और करेलिस को पता है कि यह मुकाबला पूरी तरह अलग होगा और टीम को अपनी पूरी ताकत झोंकनी होगी।

मुंबई सिटी एफसी के मुख्य कोच पेट्र क्राटकी ने टीम की एकजुटता को जीत का सबसे बड़ा कारण बताया।उन्होंने शुक्रवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम किसी भी चीज़ की कमी नहीं महसूस कर रहे हैं। यह हमेशा एक टीम प्रयास होता है। करेलिस ने दस गोल किए हैं, लेकिन यह केवल उनकी वजह से नहीं है, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाता है, कोई असिस्ट देता है, तो कोई सही समय पर सही जगह पर मौजूद रहता है।

निकोलास करेलिस, जो इस सीजन में अब तक 10 गोल कर चुके हैं, ने भी टीम को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा, एक स्ट्राइकर के रूप में गोल करना मेरी जिम्मेदारी है, लेकिन यह मेरे साथियों की मेहनत का नतीजा है। उनकी मदद के बिना मैं यह नहीं कर सकता था।बेंगलुरु एफसी देगा कड़ी चुनौती मुंबई सिटी एफसी ने लीग चरण में बेंगलुरु एफसी को हराया था, लेकिन क्राटकी को पता है कि प्लेऑफ मुकाबले में विपक्षी टीम पहले से ज्यादा मजबूत होकर उतरेगी। उन्होंने कहा, बेंगलुरु एफसी पिछले मुकाबले में अपने कई अहम खिलाड़ियों के बिना खेल रही थी, लेकिन इस बार वे पूरी ताकत के साथ उतरेंगे। हमें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहना होगा।

न्यूज ब्रीफ

ला लीगा: बार्सिलोना ने ओसासुना को 3-0 से हराकर शीर्ष पर तीन अंकों की बढ़त बनाई

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने ओसासुना के खिलाफ एकतरफा 3-0 की जीत दर्ज करते हुए ला लीगा की अंकतालिका में शीर्ष पर तीन अंकों की बढ़त बना ली। इस जीत के साथ बार्सिलोना का सभी प्रतियोगिताओं में अजेय क्रम 19 मैचों तक पहुंच गया। कैम्प नोउ में खेले गए इस मुकाबले में फारवर्ड फेरान टोरेस ने 11वें मिनट में अलेजांद्रो बाल्डे के शानदार क्रॉस पर पहली ही कोशिश में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके दस मिनट बाद डानी ओल्मो ने पेनल्टी स्पॉट से गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। उन्हें गोलकीपर सर्जियो हेरेरा द्वारा गिराए जाने पर बार्सिलोना को पेनल्टी मिली थी। वहीं, रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने 77वें मिनट में करीब से हेडर के जरिए गोल कर टीम की जीत को पक्की कर दिया। बार्सिलोना 28 मैचों में 63 अंकों के साथ शीर्ष पर है। मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड 60 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर, जबकि एटलेटिको मैड्रिड 56 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। अभी 10 मुकाबले बाकी हैं। मैच के बाद फेरान टोरेस ने कहा, अब से हर मैच हमारे लिए फाइनल जैसा है। हमने इस मुकाबले को जल्दी और मजबूती से अपने पक्ष में किया। तीन अंक मिले, यही सबसे अहम बात है। यह मुकाबला 8 मार्च को होना था, लेकिन क्लब के डॉक्टर कार्लेस मिनारो गार्सिया के निधन के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बार्सिलोना के मैनेजर हैंसी फ्लिक ने चोट और अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के कारण बदली हुई टीम उतारी, लेकिन इसके बावजूद टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की और राफिन्हा जैसे प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद बार्सिलोना ने ओसासुना को पूरी तरह हावी होकर खेला और उसे एक भी शॉट ऑन टारगेट लगाने का मौका नहीं दिया। फेरान टोरेस के शुरुआती गोल के दस मिनट बाद, पेड्री ने लंबा पास डाला, जिसे डानी ओल्मो ने शानदार तरीके से नियंत्रित किया, लेकिन गोलकीपर सर्जियो हेरेरा ने उन्हें गिरा दिया।

मोइसेस हेनरिक्स ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लिया

लंदन। न्यू साउथ वेल्स के कप्तान मोइसेस हेनरिक्स ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने 2024-25 सीजन के बीच में ही इस प्रारूप से खुद को अलग कर लिया था। 38 वर्षीय हेनरिक्स, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए चार टेस्ट मैच खेले हैं, अब भी न्यू साउथ वेल्स के लिए वनडे कप में उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा, वह सिडनी सिक्सर्स के साथ अपने मौजूदा अनुबंध के तहत एक और सीजन खेलेंगे, जहां वे कप्तान भी हैं। हेनरिक्स ने नवंबर की शुरुआत के बाद से शेफील्ड शील्ड में न्यू साउथ वेल्स के लिए कोई मैच नहीं खेला। उनकी गैरमौजूदगी में जैक एडवर्ड्स ने टीम की कमान संभाली और न्यू साउथ वेल्स ने फाइनल में जगह बनाने की पूरी कोशिश की, हालांकि अंत में वे चौथे स्थान पर रहे। शेफील्ड शील्ड क्रिकेट से संन्यास लेने का मन पहले ही बना लिया था अपनी संन्यास की घोषणा करते हुए हेनरिक्स ने कहा, इस साल क्रिसमस से पहले ही मैंने तय कर लिया था कि अब मुझे शेफील्ड शील्ड क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए। इस राज्य का नेतृत्व करना और उसके लिए खेलना मेरे लिए सम्मान की बात थी, लेकिन न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलना सिर्फ शब्दों और तैयारी से नहीं होता, बल्कि प्रदर्शन से होता है। उन्होंने आगे कहा, मेरी फिटनेस अभी भी ठीक थी, लेकिन इस उम्र में अगर मैं अपने राज्य के लिए मैच नहीं जिता पा रहा, तो फिर मैं कैसे नेतृत्व कर सकता हूं हमारे पास शानदार युवा खिलाड़ी हैं जो इस टीम को आगे लेकर जाएंगे और मैं उन्हें पूरा समर्थन दूंगा।

अनाहत सिंह और अभय सिंह ने जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन के फाइनल में बनाई जगह

मुंबई। भारत की नंबर 1 महिला स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह और अभय सिंह ने जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। बॉम्बे जिमखाना के लॉन में स्थित आउटडोर ग्लास कोर्ट पर गुरुवार को खेले गए इन मुकाबलों ने दर्शकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान किया। यह भारत का पहला पीएसए स्क्वैश कॉपर टूर्नामेंट है। पहले सेमीफाइनल में भारत की नई स्क्वैश सनसनी अनाहत सिंह का सामना अनुभवी जोशना चिनप्पा से हुआ। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहां अनाहत ने जबरदस्त शुरुआत करते हुए पहला सेट आसानी से जीत लिया। हालांकि, 38 वर्षीय जोशना ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए दूसरा सेट जीतकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद अनाहत ने शानदार वापसी की और कोर्ट पर बेहतरीन एंगल्स का इस्तेमाल करते हुए अगले दो सेट जीतकर 32 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भाई के सपनों को पूरा करने के लिए हॉकी में अपना करियर संवार रही हैं माधुरी किंडो

नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी की उभरती हुई खिलाड़ी माधुरी किंडो ने एक बार फिर अपनी काबिलियत साबित करते हुए सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के कोर संभावित समूह में जगह बनाई है। ओडिशा की रहने वाली 23 वर्षीय इस गोलकीपर को लगातार दूसरी बार इस प्रतिष्ठित कैंप के लिए चुना गया है। पहली बार उन्हें 2024 में इसमें शामिल किया गया था। हालांकि, माधुरी अभी सीनियर टीम में डेब्यू नहीं कर पाई हैं, लेकिन वह अपने परिवार, खासकर अपने बड़े भाई मनोज के सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। मनोज खुद एक राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी रह चुके हैं और फिलहाल आर्मी हॉकी टीम के लिए खेलते हैं।

माधुरी की हॉकी यात्रा महज आठ साल की उम्र में उनके गांव कडोबहाल, राउरकेला में शुरू हुई थी। उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैंने अपने बड़े भाई मनोज को खेलते देखा, जो ओडिशा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी खेल चुके हैं। उन्हें देखकर ही मुझे हॉकी खेलने की प्रेरणा मिली। अपने भाई की तरह माधुरी भी भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहती हैं और उनके अधूरे सपने को पूरा कर ने के लिए खुद को समर्पित कर चुकी हैं।

परिवार का समर्थन और शुरुआती संघर्ष

एक साधारण किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाली माधुरी के पिता किसान हैं और मां गृहिणी। हालांकि, आर्थिक चुनौतियां थीं, लेकिन परिवार ने हमेशा उनका साथ दिया। माधुरी ने कहा, मेरे पिता ने हमेशा मुझ पर भरोसा किया और मेरे करियर को आगे बढ़ाने में मेरी बुआ (पिता की बहन) का बड़ा योगदान रहा। अगर उनका सहयोग न होता, तो शायद मैं यहां तक नहीं पहुंच पाती।

उनके माता-पिता ने हमेशा उन्हें मेहनत करने के लिए प्रेरित किया और भविष्य की चिंताओं से दूर रहने की सीख दी। माधुरी ने भावुक होते हुए कहा, वे कहते थे कि सिर्फ वर्तमान में अपना सर्वश्रेष्ठ दो, बाकी सब खुद-ब-खुद अच्छा होगा। मैं चाहती हूं कि एक दिन लोग मेरे माता-पिता को मेरे नाम से जानें।

माधुरी की पेशेवर हॉकी यात्रा 2012 में तब शुरू हुई जब उन्होंने पानपोष स्पोर्ट्स हॉस्टल, राउरकेला जॉइन किया। वहां कोच अमूल्य नंद बिहारी के मार्गदर्शन में उन्होंने अपने खेल को निखारा। 2021 में, वह भारतीय जूनियर महिला टीम का हिस्सा बनीं और 2023 जूनियर एशिया कप में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने 2023 जूनियर वर्ल्ड कप में भी हिस्सा लिया और अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर 2024 में सीनियर राष्ट्रीय कैंप में जगह बनाई।

दिलचस्प बात यह है कि माधुरी ने अपने करियर की शुरुआत एक डिफेंडर के रूप में की थी, लेकिन उनकी ऊंचाई और फुर्ती को देखते हुए स्पोर्ट्स हॉस्टल के कोच ने उन्हें गोलकीपर बनने की सलाह दी। शुरुआत में यह बदलाव मुश्किल लगा, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने इसे स्वीकार किया और गोलकीपिंग में खुद को साबित किया।

माधुरी ने कहा, गोलकीपर होने के नाते, मुझे पूरे मैदान का स्पष्ट दृश्य मिलता है। मैंने सीखा कि टीम को कैसे नियंत्रित करना है, दबाव में कैसे मोटिवेट करना है और कठिन परिस्थितियों में संयम कैसे बनाए रखना है।

जूनियर टीम के साथ खेलते हुए माधुरी ने कई यादगार प्रदर्शन किए। 2023 जूनियर एशिया कप में भारत को गोल्ड मेडल जिताने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने गर्व से बताया, उस जीत के बाद मेरे गांव के लोग, यहां तक कि सरपंच भी, मेरे घर बधाई देने आए। तब मुझे एहसास हुआ कि मैं अपने परिवार और गांव का नाम रोशन कर सकती हूं।

उनकी इस उपलब्धि से उनके भाई मनोज सबसे ज्यादा खुश थे। माधुरी ने याद करते हुए कहा, जब हमने एशिया कप जीता, तो भाई ने तुरंत मैसेज कर कहा कि उसे मुझ पर गर्व है और मेरी सफलता उसकी अपनी सफलता जैसी है।

2023 एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप में माधुरी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में लगातार चार शानदार सेव कर टीम को जीत दिलाई। उन्होंने कहा, उस पल ने मुझे खुद पर भरोसा करना सिखाया। यह एहसास कि मैं अपनी टीम के लिए संकट के समय खड़ी हो सकती हूं, मुझे हमेशा याद रहेगा।

रोल मॉडल और भविष्य की योजनाएं

ओडिशा के लिए कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में खेल चुकीं माधुरी भारतीय महिला हॉकी टीम की दिग्गज गोलकीपर सविता को अपना आदर्श मानती हैं। माधुरी ने बताया, सविता दी मेरी प्रेरणा हैं। जूनियर कैंप के दौरान मैं हमेशा उनकी गेम रेकॉर्डिंग देखती थी—उनके सेव, उनकी लीडरशिप, उनकी मानसिक दृढ़ता। अब जब मैं उनके साथ ट्रेनिंग करती हूं, तो उनसे बहुत कुछ सीख रही हूं।

उनका अल्पकालिक लक्ष्य भारतीय सीनियर टीम में पदार्पण करना है, लेकिन उनकी बड़ी महत्वाकांक्षा इससे कहीं आगे है। उन्होंने कहा, मेरा सपना भारत के लिए ओलंपिक पदक जीतना है। मैं अपने माता-पिता और भाई को वह पहचान दिलाना चाहती हूं, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने मुझे सब कुछ दिया है, अब मेरी बारी है उन्हें कुछ लौटाने की।

आर्यना साबालेंका पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचीं

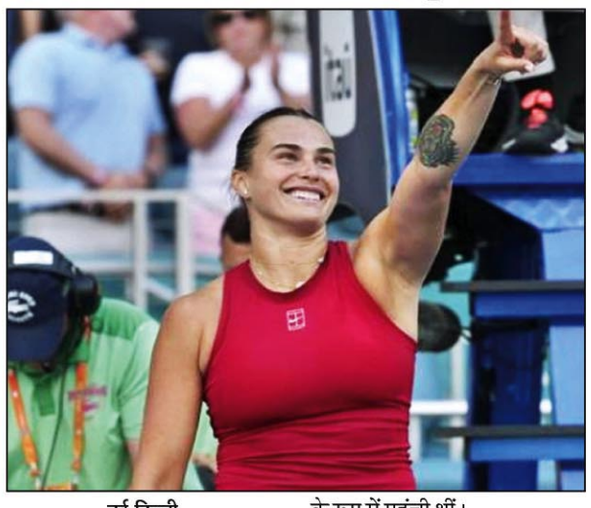

नई दिल्ली

दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आर्यना साबालेंका ने गुरुवार को इटली की छठी वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी को 6-2, 6-2 से हराकर अपने पहले मियामी ओपन फाइनल में प्रवेश किया।

साबालेंका ने मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी पहली सर्व पर 77 प्रतिशत अंक जीते, छह ऐस लगाए और अपने सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए। इसके साथ ही, उन्होंने पांच में से चार ब्रेक पॉइंट का फायदा उठाया और महज 71 मिनट में जीत दर्ज की।

दक्षिण फ्लोरिडा में रहने वाली बेलारूसी शीर्ष वरीयता प्राप्त साबालेंका ने इस टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। वह मियामी में इंडियन वेल्स उपविजेता के रूप में पहुंची थीं।

साबालेंका ने कहा, मैं आज के अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचकर काफी उत्साहित हूं।

पूरे मैच के दौरान साबालेंका कभी पिछड़ी नहीं और दोनों सेटों में सिर्फ एक बार स्कोर 1-1 से बराबर हुआ।

उन्होंने आगे कहा, मैं कह सकती हूं कि यह इस सीजन के बेहतरीन मुकाबलों में से एक था। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं पूरी तरह से अपने खेल पर केंद्रित थी। ऐसा लग रहा था कि सबकुछ मेरे पक्ष में जा रहा है।

अब फाइनल में साबालेंका का सामना दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। इस मुकाबले में चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला और फिलीपींस की वाइल्डकार्ड एंट्री एलेक्जेंड्रा एला आमने-सामने होंगी। एला ने पिछले दौर में पोलैंड की विश्व नंबर दो इगा स्वियातेक को हराकर चौंकाने वाली जीत दर्ज की थी।

महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल

मैनचेस्टर में महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलती हुई चेलेसा और मैनचेस्टर की खिलाड़ी।

नोवाक जोकोविच मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली

अपनी सातवीं मियामी ओपन खिताबी जीत के लक्ष्य के साथ खेल रहे सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने गुरुवार को अमेरिकी सेबेस्टियन कोर्डा को 6-3, 7-6 (7-4) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला एक घंटे 24 मिनट तक चला।

यह क्वार्टरफाइनल मैच बुधवार रात को खेला जाना था, लेकिन जेसिका पेगुला और एम्मा राडुकानु के बीच महिला क्वार्टरफाइनल मैच रात 11 बजे के बाद तक चलने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। मैच रात करीब 12 बजे शुरू होता, जो नए एटीपी नियमों के खिलाफ होता।

जोकोविच अब सेमीफाइनल में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव से भिड़ेंगे। 33 वर्षीय दिमित्रोव, जो 2024 में इस टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंचे थे, के खिलाफ जोकोविच का रिकॉर्ड 12-1 का है।

जोकोविच इससे पहले अपने सभी छह मियामी ओपन खिताब टूर्नामेंट के पिछले स्थल की बिस्केन में जीते थे। इस बार वह अपने करियर के 100वें खिताब को जीतने के लिए प्रयासरत हैं।

जोकोविच ने कहा, मुझे यहां जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। मुझे लगता है कि मेरे पास खिताब जीतने का अच्छा मौका है... मैं लंबे समय बाद अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर हूं।

हार्ड रॉक स्टेडियम में दर्शकों ने 37 वर्षीय जोकोविच के समर्थन में उनके नाम के नारे लगाए, भले ही वह एक अमेरिकी खिलाड़ी के खिलाफ खेल रहे थे। दूसरे सेट में उन्होंने 4-1 और 5-2 के पिछड़ने के बावजूद टाईब्रेकर में जीत हासिल की। उन्होंने मैच प्वाइंट पर एक जोरदार ऐस लगाया और 24वीं वरीयता प्राप्त कोर्डा के खिलाफ 83प्रतिशत पहली सर्विस का शानदार आंकड़ा दर्ज किया। जीत के बाद उन्होंने जोरदार गर्जना की और अपनी रैकेट को वायलिन बजाने की तरह दिखाकर जश्न मनाया।

जोकोविच ने कहा, अगर मैं जीत का कारण एक शब्द में कहूं, तो वह है - सर्व, मैंने काफी अच्छी सर्विस की, यह मेरे लंबे समय के सबसे बेहतरीन सर्विंग प्रदर्शनों में से एक था।

मेंसिक ने फील्स को हराया

पुरुषों के पहले क्वार्टरफाइनल में, चेक गणराज्य के किशोर खिलाड़ी जकुब मेंसिक ने 17वीं वरीयता प्राप्त फ्रांस के आर्थर फील्स को 7-6 (7-5), 6-1 से हराकर एटीपी 1000 पॉइंट स्तर के अपने पहले सेमीफाइनल में जगह बनाई।

19 वर्षीय मेंसिक ने पहला सेट टाईब्रेकर में जीता और फिर दूसरे सेट में 4-0 की बढ़त बनाकर 20 वर्षीय फील्स को मात दी। 54वीं रैंकिंग के मेंसिक ने 13 ऐस लगाए और क्रॉसकोर्ट फोरहैंड विनर के साथ 75 मिनट में मुकाबला समाप्त किया।

अब मेंसिक सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज और माटेओ बेरेटिनी के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

बीसीसीआई ने स्पिन गेंदबाजी कोच पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए

बेंगलुरु

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने अत्याधुनिक बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) बेंगलुरु में स्पिन गेंदबाजी कोच के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह भूमिका भारत के सभी प्रारूपों और आयु वर्गों के स्पिन गेंदबाजों के विकास और प्रदर्शन को निखारने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इस कोच का कार्यभार भारत की सीनियर पुरुष और महिला टीमों, भारत ए, अंडर-23, अंडर-19, अंडर-16 और अंडर-15 टीमों के साथ-साथ राज्य संघों के खिलाड़ियों के प्रशिक्षण से जुड़ा होगा।

मुख्य जिम्मेदारियां

- बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में क्रिकेट स्क्वॉड के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना।
- खिलाड़ियों को आवश्यकतानुसार व्यक्तिगत तकनीकी कोचिंग प्रदान करना।
- खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन योजनाएं तैयार करना और उनकी प्रगति की निगरानी करना।
- चयनकर्ताओं, राष्ट्रीय और राज्य कोचों, प्रदर्शन विश्लेषकों और फिटनेस विशेषज्ञों के साथ मिलकर प्रतिभाशाली स्पिन गेंदबाजों को विकसित करना।
- जीपीएस-सक्षम उपकरणों और बायोमैकेनिकल विश्लेषण जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करके खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार करना।
- चोट से उबर रहे खिलाड़ियों के पुनर्वास में सहयोग देना और प्रतिस्पर्धा के लिए उनकी फिटनेस सुनिश्चित करना।

योग्यता और अनुभव

- इस पद के लिए निम्नलिखित योग्यताओं में से किसी एक का होना अनिवार्य है—
- पूर्व भारतीय क्रिकेटर या कम से कम 75 प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके पूर्व भारतीय प्रथम श्रेणी क्रिकेटर, जिनके पास पिछले 7 वर्षों में कम से कम 3 वर्षों का हाई-परफॉर्मेंस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय, भारत ए, भारत अंडर-19, भारत महिला या आईपीएल टीम में कोचिंग का अनुभव हो।
- बीसीसीआई सीओई लेवल 3 परफॉर्मेंस कोच (या समकक्ष), जिनके पास पिछले 7 वर्षों में कम से कम 3 वर्षों का हाई-परफॉर्मेंस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय, भारत ए, भारत अंडर-19, भारत महिला, आईपीएल या राज्य टीम में कोचिंग का अनुभव हो।
- बीसीसीआई सीओई लेवल 2 कोच (या समकक्ष), जिनके पास पिछले 7 वर्षों में कम से कम 3 वर्षों का हाई-परफॉर्मेंस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय, भारत , भारत अंडर-19, भारत महिला या आईपीएल टीम में कोचिंग का अनुभव हो।
- हाई-परफॉर्मेंस योजनाओं के निर्माण और निगरानी, साथ ही एलीट क्रिकेट वातावरण में खिलाड़ी विकास कार्यक्रमों को लागू करने का सफल रिकॉर्ड।

आवेदन की अंतिम तिथि:

- इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 10 अप्रैल 2025, शाम 5:00 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन ऑनलाइन लिंक के माध्यम से किया जाएगा। आवेदकों को अपने ईमेल के विषय में स्पिन गेंदबाजी कोच अवश्य लिखना होगा।

फेस्टिव सीजन में आप भी तो नहीं रचा रहीं केमिकल वाली मेहंदी

कुछ तरीकों से करें असली-नकली की पहचान

कुछ ही दिनों कई सारे त्योहार आने वाले हैं। ईद, चैत्र नवरात्र और गणगौर के साथ ही फेस्टिव सीजन की शुरुआत होने वाली है। अलग-अलग धर्म और समुदाय में सेलिब्रेट होने वाले इन सभी त्योहारों में कुछ बातें एक जैसी ही होती है। त्योहार की खुशी और हाथों पर रची मेहंदी हर एक त्योहार के जश्न को दोगुना कर देती है। मेहंदी के बिना लगभग हर तीज-त्योहार अधूरा माना जाता है, लेकिन इन दिनों अच्छी मेहंदी रचाने के चक्कर में मार्केट में केमिकल वाली मेहंदी मिलने लगती है, जो स्किन के लिए काफी हानिकारक होती है। अक्सर फेस्टिव सीजन आते ही बाजार में मिलावट का दौर भी शुरू हो जाता है। ऐसे में केमिकल वाली मेहंदी धड़ल्ले से बाजार से बिकती है। इसलिए जरूरी है कि मेहंदी लगाने से पहले असली और नकली की पहचान कर ली जाए। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे घर पर कैसे करें असली और नकली मेहंदी की पहचान-

असली मेहंदी का रंग कभी तुरंत नहीं चढ़ता है। अगर मेहंदी लगाने पर इसका रंग तुरंत निखर आए, तो समझ जाए कि यह असली मेहंदी नहीं है। असली मेहंदी लगाने के बाद इसका रंग धीरे-धीरे चढ़ता है। शुरू में यह नारंगी रंग की होती है और फिर बाद में करीब 8-10 घंटे में इसका रंग गहरा होता है। असली मेहंदी की खुशबू भी काफी अलग होती है। चूंकि मेहंदी की पत्तियों से मेहंदी पाउडर तैयार किया जाता है, ऐसे में इसकी पहचान करना आसान होता है। मेहंदी पाउडर में लैवेंडर या नीलगिरी ऑयल जैसे एसेंशियल ऑयल, पानी, तेल और चीनी भी मिलाया जाता है। इन सभी की खुशबू से आप असली हिना भी पहचान कर सकते हैं। आमतौर लोगों को लगता है कि मेहंदी पाउडर का पेस्ट बनाने पर यह काले रंग की हो जाती है। हालांकि, यह सच नहीं है क्योंकि असली मेहंदी का रंग हरा होता है। अगर आप मेहंदी में पानी मिलाते हैं और इसके बाद भी मेहंदी का रंग हरा रहता है, तो यह असली है। साथ ही अगर बालों या हाथों में लगाते समय यह ऑलिव ग्रीन नजर आ रही है, तो मेहंदी असली है। अगर आपकी मेहंदी या मेहंदी का कोन सामान्य तापमान में भी खराब नहीं हो रही है, तो यह पक्का नकली मेहंदी है। ऐसा इसलिए क्योंकि असली मेहंदी को फ्रेश बनाए रखने के लिए फ्रिज या ठंडे तापमान में रखना जरूरी है। ज्यादा देर तक नॉर्मल टेंपरेचर पर रखने से असली मेहंदी खराब हो जाती है।

हाई यूरिक एसिड को शरीर से खींचकर बाहर कर देंगी सुबह की तीन आदतें

शरीर में यूरिक एसिड का बढ़ता स्तर कई समस्याओं का कारण बनता है। इन दिनों हाई यूरिक एसिड कई लोगों के लिए परेशानी ही वजह बना हुआ है। शरीर में इसका लेवल बढ़ने की वजह से अक्सर गठिया, जोड़ों में दर्द और किड़नी की समस्या देखने को मिलती है। ऐसे में जरूरी है कि समय रहते इसके लेवल को कंट्रोल किया जाए। यूरिक एसिड शरीर में बनने वाला एक केमिकल कंपाउंड है, जो प्यूरीन नाम के प्रोटीन के टूटने से बनता है। यह खून में मौजूद वेस्ट प्रोडक्ट है, जो आमतौर पर यूरिन के जरिए शरीर में बाहर निकल जाता है। हालांकि, गलत खानपान और खराब लाइफस्टाइल की वजह से अक्सर शरीर में इसकी मात्रा बढ़ने लगती है। ऐसे में समय रहते इसकी बढ़ी हुई मात्रा को कंट्रोल करना जरूरी है। यूं तो हाई यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए लोग अक्सर अपनी डाइट में बदलाव करते हैं। खाने में कुछ चीजें शामिल कर और कुछ चीजों का डाइट से बाहर कर यूरिक एसिड को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है, लेकिन कुछ आदतों की मदद से भी काफी हद यूरिक एसिड कंट्रोल हो सकता है। खासकर सुबह की कुछ आदतें काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ मॉर्निंग हैबिट्स के बारे में- शरीर में बढ़े हुए यूरिक एसिड को बाहर निकालने का सबसे अच्छा तरीका है, पानी पीना। आमतौर पर यूरिक एसिड यूरिन के जरिए शरीर से बाहर निकलता है। ऐसे में सुबह उठते ही सबसे पहले पानी पीना बॉडी से यूरिक एसिड को बाहर करने का सबसे कारगर तरीका है। हाई यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए नींबू भी एक बढ़िया तरीका है। यह यूरिक एसिड को कंट्रोल या बैलेंस करने में मदद करता है। साथ ही नींबू पाचन को भी बेहतर बनाता है, जो यूरिक एसिड के क्रिस्टल बनने से रोकने में मदद करता है। आपने अक्सर बड़े-बूढ़ों और हेल्थ एक्सपर्ट्स को घास पर चलने की सलाह देते सुना होगा। सुबह-सुबह हरी घास पर चलना सेहत के लिए कई मायनों में फायदेमंद होता है। इससे यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। दरअसल, घास पर नंगे पैर चलने से तलवों का नेचुरल एक्यूप्रेशर होता है, जो किडनी की फंक्शनिंग को बढ़ाता है, जिससे यूरिक एसिड आसानी से शरीर से बाहर निकल जाता है।

माइग्रेन से लेकर लिवर की सफाई करने तक, गर्मी भर खा लिया ये एक फल तो मिलेंगे बेमिसाल फायदे

गर्मी की शुरुआत हो चुकी है। गर्मी ने अपना प्रचंड रूप भी दिखाना शुरू कर दिया है। अभी धूप के तेवर और भी तल्ख होंगे। मौसम विभाग ने भी इस बार भीषण गर्मी पड़ने की चेतावनी जारी की है। गर्मी के मौसम में सेहतमंद रहने के लिए खानपान का अधिक ख्याल रखना पड़ता है। ऐसे में लोग ऐसी चीजें खाना पसंद करते हैं जो शरीर को ठंडक पहुंचाने में मददगार है। कई लोग मौसमी फल खाते हैं जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है। वहीं कुछ लोग दही, लस्सी, छाछ, नारियल का पानी पीते हैं। आप चाहें तो एक बार शहतूत ट्राई कर सकते हैं। ये खाने में भी बेहद स्वादिष्ट होते हैं। ये आसानी से मुंह में घुल जाता है। आपको बता दें कि शहतूत में विटामिन ए, विटामिन सी, आयरन, पोटैशियम, फॉस्फोरस और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। आइए इनके फायदों के बारे में विस्तार से जानते हैं- आजकल लोगों में डार्क सर्कल या बाल झड़ने की समस्या बढ़ गई है। शहतूत एक ऐसा फल है जो आपको इन समस्याओं से राहत दिला सकता है। ये स्किन और बालों के लिए बेहद लाभकारी माने जाते हैं। ये त्वचा को रूखेपन से बचाता है। वहीं बालों में नेचुरल शाइन लाने में भी मददगार है। इससे आपके बालों का झड़ना भी बंद हो जाता है। गर्मियों में लू और तेज धूप आपके सिरदर्द को बढ़ा सकती है। ऐसे में आपको शहतूत को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। इससे माइग्रेन की समस्या से भी छुटकारा मिलता है। ये शरीर को ठंडक प्रदान करने में भी मददगार है। शहतूत में पानी की अच्छी मात्रा होती है। ये शरीर को हाइड्रेट रखने में मददगार है। आप रोजाना अपनी डाइट में शहतूत को शामिल कर सकते हैं। गर्मियों में लू लगने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। शहतूत के ठंडक देने वाले गुण शरीर के तापमान को कंट्रोल में रखते हैं। इसके अलावा ये हीट स्ट्रोक के खतरे को भी कम करने में मददगार हैं। गर्मी में आंखों में जलन होना आम बात है। शहतूत में विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो आंखों की रोशनी बढ़ाने और ड्राई आई सिंड्रोम से बचाने में मदद करते हैं। गर्मी में ऑयली या मसालेदार खाना खाने से लिवर पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में शहतूत डिटॉक्सिफाइंग फूड की तरह काम करता है और लिवर को साफ रखता है। गर्मियों में अक्सर पेट में जलन, एसिडिटी, कब्ज और गैस की समस्या बढ़ जाती है। शहतूत फाइबर से भरपूर होता है, जिससे पाचन दुरुस्त रहता है और पेट की समस्याएं कम होती हैं।

वेब सीरीज *दुपहिया* के सीक्वल का एलान

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गजराज राव की 7 मार्च, 2025 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई वेब सीरीज *दुपहिया* को दर्शकों से इसे शानदार प्रतिक्रिया मिली। इसे देखते हुए अब निर्माताओं ने दुपहिया के सीक्वल का आधिकारिक ऐलान कर दिया है, जिससे फैंस की उत्सुकता और बढ़ गई है। अमेजन प्राइम वीडियो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें दुपहिया के सभी सितारे दूसरे सीजन की पुष्टि करते नजर आ रहे हैं। यह सीरीज जल्द ही अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी, हालांकि रिलीज डेट का खुलासा अभी नहीं किया गया है। इस वेब सीरीज का मिजाज काफी हद तक लोकप्रिय शो *पंचायत* जैसा है। इसकी कहानी बिहार के एक काल्पनिक गांव धड़कपुर की है, एक ऐसा गांव, जहां पिछले 25 सालों में कोई अपराध नहीं हुआ है। वेब सीरीज दुपहिया का निर्देशन सोनम नायर ने किया है, जबकि इसका निर्माण सलोना बैंस जोशी और शुभ शिवदासानी ने अपने *बॉम्बे फिल्म कार्टेल* बैनर के तहत किया है। इस सीरीज की कहानी अविनाश द्विवेदी और चिराग गर्ग ने लिखी है। नौ एपिसोड वाली इस वेब सीरीज में गजराज राव, रेणुका शहाणे, भुवन अरोड़ा, स्पर्श श्रीवास्तव, शिवानी रघुवंशी और यशपाल शर्मा मुख्य भूमिकाओं में हैं।

कृष 4 में एक्टिंग के साथ निर्देशन भी करेंगे ऋतिक

हिंदी सिनेमा की सबसे लोकप्रिय सीक्वलों में से एक *कृष* है, जिसने ऋतिक रोशन को जबरदस्त प्रशंसा का आधार दिया। अब तक इस फ्रेंचाइजी की तीन फिल्में रिलीज हो चुकी हैं और दर्शक बेसब्री से इसके चौथे भाग का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में *कृष 4* को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म के निर्देशन और निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी शेयर की गई है, जिससे फैंस की उत्सुकता और बढ़ गई है। फिल्म निर्देशक राकेश रोशन ने कुछ महीने पहले निर्देशन से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने यह भी कहा कि कृष 4 एक बड़ी फिल्म होगी और बजट के कारण फिल्म को बनने में समय लगेगा। अब फिल्म के बारे में एक अपडेट आया है। आदित्य चोपड़ा इस फिल्म का निर्माण करेंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, ऋतिक रोशन फिल्म कृष 4 का निर्देशन करेंगे। अभिनय के साथ-साथ वह निर्देशन की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। भारत में कृष एक फिल्मी सुपरहीरो है। वर्ष 2003 में आई कोई मिल गया का पहला सीक्वल का नाम कृष था। यह 2006 में रिलीज हुई थी। फिर 2013 में कृष 3 आई। कृष में प्रियंका चोपड़ा मुख्य अभिनेत्री थीं। कृष 3 में कंगना रनौत ऋतिक की नायिका थीं। कृष बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के बीच लोकप्रिय है। अब सभी को इस बात की उत्सुकता है कि कृष 4 में विलेन का किरदार कौन निभाता नजर आएगा।

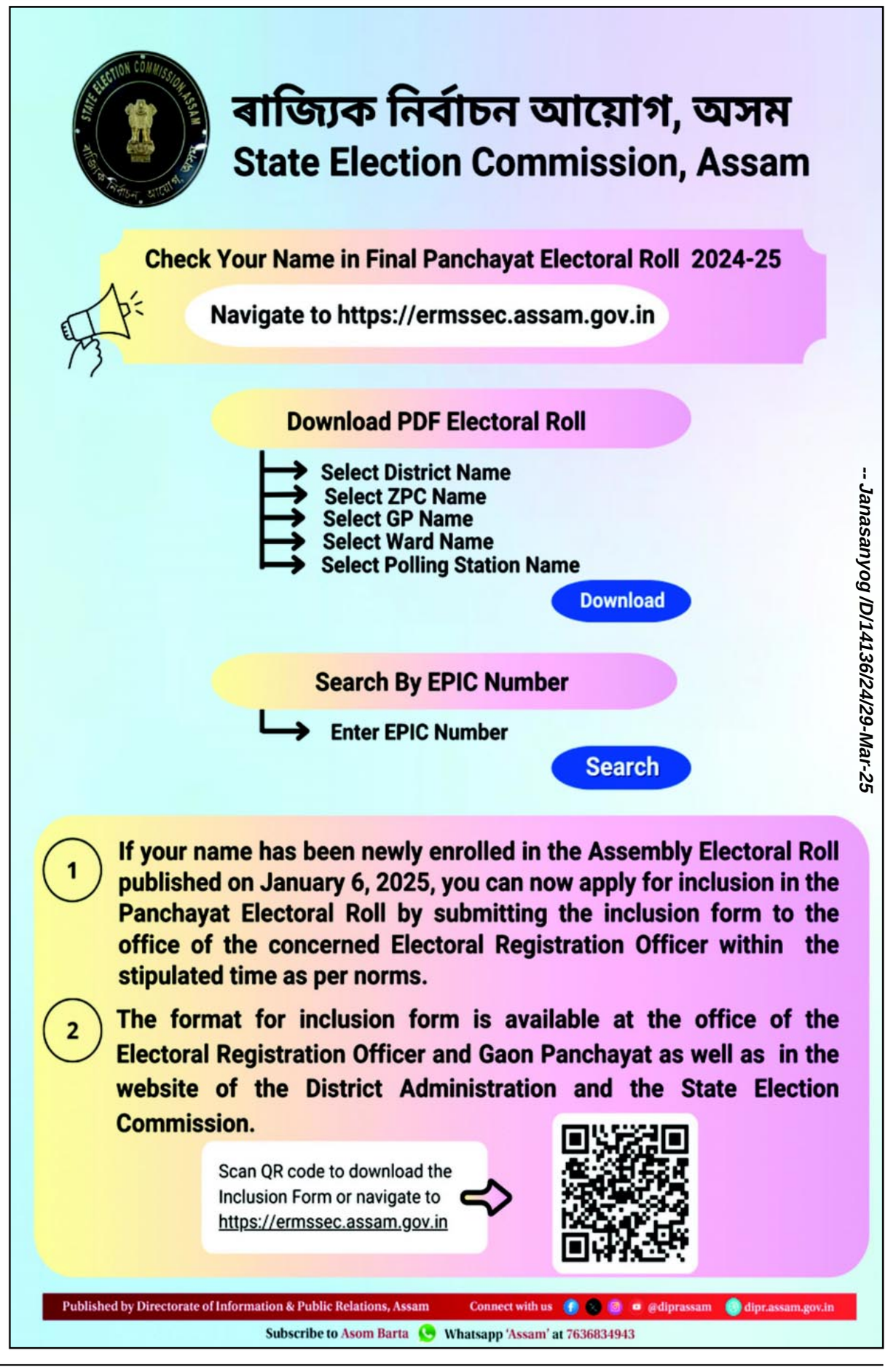

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**